शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 311 | गुवाहाटी | बुधवार, 17 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देश के युवा विकसित भारत का लक्ष्य साकार करने की सबसे बड़ी... पेज 2

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर गुवाहाटी में भव्य प्रदर्शनी का आयोजन पेज 3

मोदी सरकार की योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव... पेज 5

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रॉ पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

महान कार्य करने का एक ही तरीका है की आप जो भी कर रहे हो उसे प्यार करो। यदि आपको अबतक ऐसा काम नहीं मिला, तो ढूंढते रहो। न की एक ही जगह बैठे रहो।

–स्टीव जॉब्स

देशों के बीच रिश्ते दाता-प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि एकजुटता और परस्पर सम्मान पर आधारित होने चाहिए : पीएम

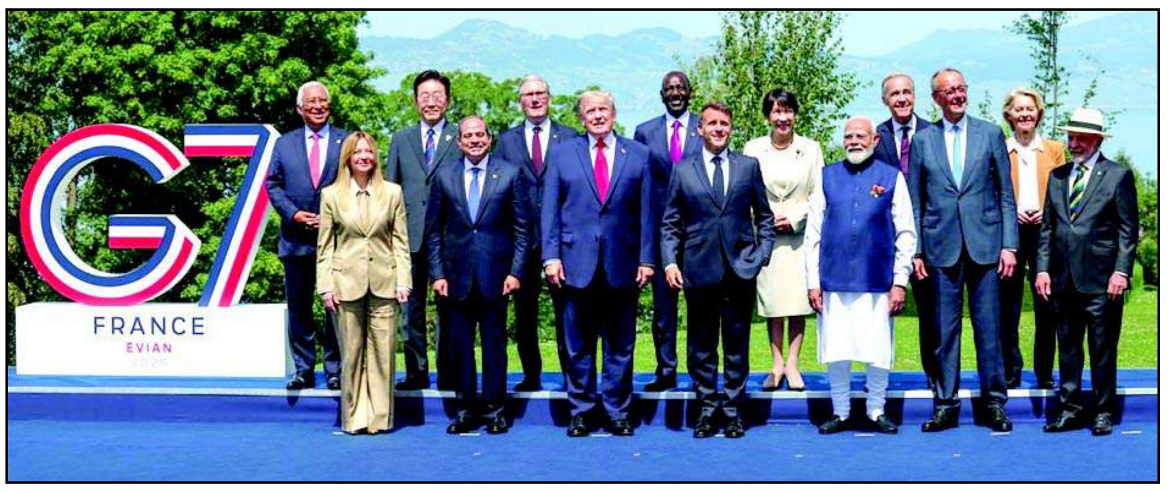

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित *नई साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के पुनर्निर्माण* विषयक आउटरीच सत्र में भाग लेते हुए वैश्विक सहयोग के लिए विश्वास और समानता पर आधारित साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के परस्पर जुड़े हुए विश्व में देशों के बीच संबंध केवल दाता और प्राप्तकर्ता की सोच तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि एकजुटता, परस्पर सम्मान और समान भागीदारी पर आधारित होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा *मानवता प्रथम* के सिद्धांत का पालन किया है। उन्होंने भारत की पहल पर स्थापित इंटरनेशनल सोलर अलायंस, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई), ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, मिशन लाइफ और *एक पेड़ मां के नाम* जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी प्रयास वैश्विक कल्याण और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की सोच *वसुधैव कुटुंबकम्* अर्थात *संपूर्ण विश्व एक परिवार है* की प्राचीन भारतीय भावना से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत समावेशी, टिकाऊ और सभी के लिए लाभकारी वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की तथा समृद्धि, सतत विकास और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जी-7 नेताओं और विशेष आमंत्रित नेताओं की सामूहिक तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेता फ्रांस के एवियन में आयोजित 52वें जी-7 -शेष पृष्ठ दो पर

16 महीनों बाद राष्ट्रपति ट्रंप से मिले प्रधानमंत्री मोदी, मिलाया हाथ

नई दिल्ली। फ्रांस के एवियन में पीएम मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात हुई है। दोनों नेताओं के बीच ये मुलाकात 16 महीने बाद हुई है। प्रधानमंत्री मोदी एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल हुए थे, जिस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाथ मिलाया। इस सत्र में दोनों नेता एक दूसरे के बगल बैठे थे। बता दें, जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर कल शाम 6.30 बजे (आईएसटी) दोनों नेताओं के बीच पूरी द्विपक्षीय बातचीत होनी है। दोनों नेताओं के बीच यह संक्षिप्त बातचीत तब हुई, जब दुनिया भर के नेता फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर आयोजित कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए हैं। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री के वॉशिंगटन दौरे के बाद जब से ट्रंप ने अपना दूसरा कार्यकाल शुरू ही किया है यह दोनों नेताओं का पहली बार आमना-सामना था। यह बातचीत भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक अहम समय पर हो रही है। हाल के महीनों में *ऑपरेशन सिंदूर* और भारतीय आयात पर ट्रंप प्रशासन द्वारा भारी टैरिफ लगाने के फैसले के कारण इन संबंधों में तनाव देखा गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

अंबुबासी मेले के लिए पूसीरे की विशेष तैयारी, चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हि.स.)। कामाख्या मंदिर में 22 से 25 जून तक आयोजित होने वाले अंबुबासी मेले में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने व्यापक तैयारियां की हैं। रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सुरक्षा व्यवस्था तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं की व्यवस्था की है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि मेले के दौरान यात्रियों की -शेष पृष्ठ दो पर

असम का किसान बांग्लादेश में अगवा विधायक ने सीएम को दी सूचना

सिलचर। असम के कछार जिले का एक बुजुर्ग किसान मंगलवार सुबह सीमावर्ती कृषि क्षेत्र से लापता हो गया। परिवार के सदस्यों और प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि उसे जबरन अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करके बांग्लादेश ले जाया गया, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश सीमा रक्षक बल के साथ समन्वय शुरू कर दिया है। लापता व्यक्ति की पहचान रणजीत दास के रूप में हुई है, जो काटिगोरा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत किन्नरखाल गांव का निवासी है। यह घटना सुबह करीब 7 बजे सीमा द्वार खोले जाने के बाद घटी, जिससे स्थानीय किसानों को बाड़ -शेष पृष्ठ दो पर

नीट एग्जाम भारत में टेलीग्राम पर अस्थायी रोक

नई दिल्ली। नीट यूजी की दोबारा परीक्षा के मद्देनजर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए टेलीग्राम पर अस्थाई रोक लगाई है। ये परीक्षा 21 जून को होनी है और सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम पर रोक लगाई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत एक निर्देश जारी किया है। इसके तहत भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म का एक्सेस एक तय और सीमित समय के लिए (22 जून 2026 तक) सीमित किया गया है। इस अवधि में नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय शामिल है। एजेंसी ने आगे कहा कि निर्देश में प्लेटफॉर्म से कहा गया है कि वह भारत में पहले से पोस्ट किए गए मैसेज के लिए *मैसेज-एडिटिंग* फीचर को एक तय समय (30 जून 2026) तक बंद कर दे। यह कदम उस खास फीचर को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय परीक्षाओं के संबंध में घटना के बाद *पेपर लीक* के सबूत गढ़ने के लिए किया जाता रहा है। एनटीए ने कहा कि मैसेज एडिट करने पर रोक का मकसद यह था कि यूजर्स पुराने मैसेज में बदलाव करके और ओरिजिनल -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यों के खजाने पर भारी पड़ रही मुफ्त बिजली और कृषि सब्सिडी : कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली। मुफ्त बिजली और कृषि सब्सिडी का बढ़ता बोझ राज्यों के खजाने पर करारा प्रहार कर रहा है। राजस्व व्यय में सब्सिडी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ना कई राज्यों के वित्तीय प्रबंधन के लिए गंभीर खतरे का संकेत दे रहा है। नियंत्रक व लेखा परीक्षक (सीएजी) की तरप से आज राज्यों के वित्त पर जारी रिपोर्ट *स्टेट फाइनेंस 2024-25* के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का कुल सब्सिडी व्यय 4,37,326 करोड़ रुपए रहा, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र की सब्सिडी अकेले 1,89,802 करोड़ रुपए (43.40 प्रतिशत) है। ऊर्जा और कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां मिलकर कुल सब्सिडी का लगभग 73 प्रतिशत हिस्सा रखती हैं। सब्सिडी का बोझ राज्यों के खजाने पर किस कदर बोझ डाल रहा है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि पिछले एक दशक में राज्यों के राजस्व में औसतन 137 फीसद (की वृद्धि हुई है जबकि इनकी तरफ से दी जाने वाली सब्सिडी की राशि में 214 फीसद (1.39 लाख -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 47 करोड़ रुपए के बहु-राज्यीय फर्जी जीएसटी रैकेट का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

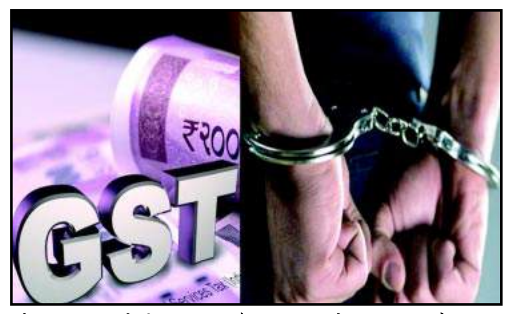

गुवाहाटी। असम पुलिस ने राज्य के जीएसटी विभाग के साथ मिलकर फर्जी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 47 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की गई थी और इस अपराध में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम, बिहार और पश्चिम बंगाल में छापेमारी सहित एक संयुक्त अभियान में, एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और जीएसटी अधिकारियों ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी करने के आरोपी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रणब कुमार पेगू ने पत्रकारों को बताया कि आरोपी कथित तौर पर बिटुमेन व्यापार के फर्जी बिलों का इस्तेमाल कर कर छूट का दावा कर रहे थे। उन्होंने कर चोरी करने और जीएसटी का अवैध लाभ उठाने के लिए जाली बिलों और फर्जी लेनदेन का सहारा लिया। एसटीएफ और राज्य जीएसटी विभाग ने गुवाहाटी, बिहार और पश्चिम बंगाल में एक साथ अभियान चलाया। जांच के दौरान, 47 करोड़ रुपए से अधिक के फर्जी आईटीसी घोटाले का पर्दाफाश हुआ और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, पेगु ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी और वित्तीय जांच के आधार पर रात भर छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप जांचकर्ताओं का मानना है कि कई राज्यों में सक्रिय एक सुनियोजित जीएसटी -शेष पृष्ठ दो पर

यूपी, गोवा समेत चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं विस चुनाव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में अपनी इकाइयों को चुनाव की तैयारी तेज करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि संकेत मिल रहे हैं कि इन राज्यों में विधानसभा चुनाव समय से पहले हो सकते हैं, ताकि फरवरी 2027 में होने वाली जनगणना की प्रक्रिया के साथ इनका टकराव न हो। भाजपा मणिपुर पर भी कड़ी नजर रख रही है। यह पांचवां राज्य है जहां अगले साल की शुरुआत में बाकी राज्यों के साथ चुनाव होने थे। हालांकि, राज्य में हिंसा की छिटपुट घटनाओं—पहले 2023 में कुकी-मैतेई संघर्ष और हाल के महीनों में कुकी-नागा संघर्ष का बढ़ना—को देखते हुए, यहां चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, तय समय से कुछ हफ्ते या महीने -शेष पृष्ठ दो पर

उद्धव को शिंदे फिर देंगे बड़ा झटका सात सांसद हो सकते हैं बागी

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस से पहले उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका देने की तैयारी में हैं। टीएमसी के बाद शिवसेना यूबीटी लोक सभा सांसदों में टूट की तैयारी हो रही है। खबरों के मुताबिक यूबीटी के 9 में से 7 सांसद टूट सकते हैं। ये 7 सांसद अलग गुट बनाएंगे और इसके बाद शिवसेना में विलय हो जाएगा ऐसी खबरें आ रही हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसद जल्द ही बगावत कर सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय देशमुख, अरविंद सावंत, संजय जाधव, संजय पाटिल, नागेश बापूराव अष्टिकर, श्री राजाभाऊ वाजे, -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी बागियों के विलय पर तुरंत फैसला नहीं, कानूनी राय लेंगे लोस स्पीकर

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों द्वारा एनसीपीआई पार्टी में विलय करने के मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर कोई भी फैसला सुनाने से पहले दोनों पक्षों यानी बागी सांसदों और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले मूल टीएमसी गुट की दलीलें खुद सुनेंगे। इसके लिए स्पीकर दफ्तर ने ममता बनर्जी के गुट को एक ईमेल भी भेजा है, जिसमें इस पूरे मामले पर उनका पक्ष और राय मांगी गई है। सूत्रों का कहना है कि संसद के मानसून सत्र से पहले इस पर फैसला ले लिया जाएगा। इसके लिए स्पीकर ओम बिरला इस मामले पर केंद्रीय कानून -शेष पृष्ठ दो पर

नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी के साथ यौन उत्पीड़न

जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश का भी आरोप

नागपुर (हि.स.)। नागपुर में एयरफोर्स जवान की पत्नी को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ यौन उत्पीड़न, उसका वीडियो बनाने और उससे 3.09 लाख रुपए की उगाही का मामला सामने आया है। पीड़िता पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालने का भी आरोप है। पीड़िता की तरफ से सोनेगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके आधार पर आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के मुताबिक यह उत्पीड़न एक साल से चल रहा था। सोनेगांव पुलिस के अनुसार, नागपुर में रहने वाली पीड़िता का पति एयरफोर्स का जवान -शेष पृष्ठ दो पर

तेहरान ने वाशिंगटन को किया आगाह, कहा–

अब लेबनान पर इजराइली हमला अमेरिका ईरान शांति समझौते का उल्लंघन माना जाएगा

तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत (हि.स.)। अमेरिका-ईरान शांति समझौते के 24 घंटे बाद तेहरान ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि अगर इजराइल अब लेबनान पर हमला करता है या उसके भू-भाग पर कब्जा करता है तो उसे अमेरिका-ईरान शांति समझौते का सीधा उल्लंघन माना जाएगा। तेहरान के इस रुख से भविष्य में समझौते के प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने इस समझौते से उत्पन्न हालात पर चर्चा की है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा कि समझौते पर 19 जून को जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में औपचारिक हस्ताक्षर होने के बाद परमाणु निगरानी दल को ईरान भेजा जाएगा। अल जजीरा और एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षक जल्द ही -शेष पृष्ठ दो पर

अब डॉक्टर की पर्ची के बिना कफ सिरप नहीं : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। अब कोई भी सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने खांसी की दवाइयों की बिक्री के नियमों में बदलाव किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 जून को जारी इस नोटिफिकेशन में सरकार ने बताया है कि खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब 1000 से कम आबादी वाले छोटे गांवों में भी कफ सिरप की बिक्री बिना लाइसेंस के नहीं की जा सकेगी। सरकार ने पुराने दवा नियम 1945 की अनुसूची *के* से *सिरप* शब्द हटा दिया गया है। पहले इस श्रेणी के तहत छोटे गांवों में कफ सिरप बेचने के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

सड़क पर पति के सामने महिला को निर्वस्त्र कर किया गया प्रताड़ित

लखीमपुर (हिंस)। असम के लखीमपुर जिले के चाउलधोवा क्षेत्र में एक महिला के साथ सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार और प्रताड़ना का शर्मनाक मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने सड़क पर महिला को उसके पति के सामने निर्वस्त्र कर प्रताड़ित किया, जिससे इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त है। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कोनानदी गांव में हुई। बताया जा रहा है कि सरकारी भूमि पर चांगघर (पारंपरिक ऊंचे मकान) के निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद के दौरान कुछ लोगों ने महिला पर हमला कर उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामले में संलिप्त हरेकांत चायेंगिया नामक एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए अभियान चला रही है। घटना की विभिन्न संगठनों और स्थानीय लोगों ने कड़ी निंदा की है।

देश के युवा विकसित भारत का लक्ष्य साकार करने की सबसे बड़ी शक्ति : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के युवाओं से वर्ष 2047 तक विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सबसे बड़ी शक्ति हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने मंगलवार को संविधान सदन के केंद्रीय हॉल में विकसित भारत युवा संसद 2026 के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवाओं का दृढ़ संकल्प, नवोन्मेषी सोच और नेतृत्व क्षमता 2047 के भारत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आने वाले वर्षों में भारत के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार में विश्व का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि आज, पूरी दुनिया भारत के युवाओं को आशा, आत्मविश्वास और भविष्य की संभावनाओं के प्रतीक के रूप में देखती है। विकसित भारत के स्वप्न की सामूहिक प्रकृति पर बल देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत का सपना किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की आकांक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना 140 करोड़ भारतीयों का साझा राष्ट्रीय संकल्प है। बिरला ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक इस लक्ष्य को हासिल करने की जिम्मेदारी काफी हद तक आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, साहस और दृढ़ संकल्प ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में सबसे शक्तिशाली क्षमता सिद्ध होंगे। इससे पहले केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। मांडविया ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने एक कठिन चयन प्रक्रिया के माध्यम से यह स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा के अध्यक्ष के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर उनके लिए सौभाग्य की बात हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री के साथ युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव पल्लवी जैन गोविल, लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह और अपर सचिव (युवा कार्यक्रम) नितेश मिश्र सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इस कार्यक्रम में देशभर के 757 विश्वविद्यालयों और संस्थानों से चयनित युवा प्रतिनिधियों ने भागीदारी करते हुए विकसित भारत@2047 की परिकल्पना पर अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 15-17 जून तक विकसित भारत युवा संसद 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

देश के 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण पूरा

नई दिल्ली (हि.स.)। जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) का पहला चरण अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में जनगणना का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय के अनुसार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में जनगणना-2027 का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में 16 मई से 14 जून तक संचालित मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है, जबकि पंजाब में यह प्रक्रिया 13 जून को पूरी हुई। इस बीच गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना का कार्य जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार से फील्ड ऑपरेशन शुरू हो गए हैं, जो 15 जुलाई तक चलेंगे। केरल और नगालैंड में स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) सुविधा शुरू कर दी गई है, जो 30 जून तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद इन दोनों राज्यों में एक जुलाई से 30 जुलाई तक घर-घर जाकर गणना का कार्य किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने बताया कि जनगणना-2027 पहली बार डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है। इसके लिए विशेष मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग किया जा रहा है, जबकि पारंपरिक घर-घर जाकर गणना की व्यवस्था भी बरकरार रखी गई है। मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना के दौरान आवासीय स्थिति, परिवारों के विवरण, उपलब्ध सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़ी जानकारी 33 प्रश्नों वाली अधिसूचित प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र की जा रही है। मंत्रालय ने नागरिकों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और गणनाकर्मियों को पूरा सहयोग देने की अपील की है। साथ ही कहा है कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत एकत्र की गई सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय तथा विकासात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

कैलिफोर्निया में एयर फोर्स का बी-52 बॉम्बर क्रैश, आठ लोगों की मौत

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में सोमवार को एयर फोर्स का बी-52 बॉम्बर उड़ान भरने के फौरन बाद क्रैश हो गया। इस हवाई दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। क्रैश की वजह की जांच चल रही है। बी-52 बॉम्बर एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस से रूटीन टेस्ट मिशन पर निकला था। इस दुर्घटना की जानकारी स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11:20 बजे मिली। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयर फोर्स का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बॉम्बर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद क्रैश हो गया और उसमें आग लग गई। इससे आठ लोगों की मौत हो गई। बेस पर मौजूद 412वें टेस्ट विंग के डिप्टी कमांडर कर्नल जेम्स हेस ने फुटेज की समीक्षा के आधार पर कहा कि इस क्रैश में किसी के भी बचने की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने इसे एक भयानक त्रासदी बताया। डिप्टी कमांडर कर्नल जेम्स हेस ने कहा कि हमने आठ बेहतरीन अमेरिकियों को खो दिया। क्रू में वर्दीधारी सैनिक, सरकारी कर्मचारी और सरकारी कॉन्ट्रैक्टर शामिल थे। विमान में सवार लोगों के नाम उनके परिवार वालों को सूचना देने के 24 घंटे बाद जारी किए जाएंगे। बोइंग ने सोमवार शाम एक बयान जारी कर कहा कि हादसे में मारे गए लोगों में से दो इस बड़ी एयरोस्पेस कंपनी के कर्मचारी थे।

40 मिनट में भूकंप के आठ बड़े झटकों से चीन में हड़कंप, एक की मौत, इमरजेंसी अलर्ट जारी

बीजिंग। चीन के नॉर्थ-वेस्ट क्षेत्र के किंघाई प्रांत में 40 मिनट के भीतर भूकंप के 8 झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे शक्तिशाली झटके की तीव्रता 6.3 मापी गई। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे बताई जा रही है। चीन की स्थानीय मीडिया के मुताबिक, प्रशासन ने आनन-फानन में प्रभावित इलाके में इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया है। साथ ही, राहत और बचाव कार्यों के लिए आपातकालीन दलों को तैनात किया गया है। चीन के समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, किंघाई प्रांत में मंगलवार को स्थानीय समयानुसार शाम 6:40 बजे भूकंप का पहला झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र प्रांत की राजधानी शियांग से लगभग 567 किलोमीटर दूर स्थित बताया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक भूकंप में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 4 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सरकार ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया है। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए पास के कोयला खादानों से लोगों को वापस बुलाया गया है। सरकार जान-माल की हानि के बारे में अधिक जानकारी जुटा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 2 स्पेशल गाड़ी और 10 कर्मी को घटनास्थल पर भेजा गया है। हताहतों की संख्या देखने के बाद स्थानीय प्रशासन आगे का फैसला लेगी। नॉर्थ-वेस्ट चीन का यह इलाका तिब्बती पठार के किनारे स्थित है, जिसे भूवैज्ञानिक दृष्टि से एक जटिल क्षेत्र माना जाता है। किंघाई प्रांत भारतीय और यूरेशियन विवर्तनिक प्लेटों के टकराव के कारण भूकंपीय गतिविधियों के प्रति संवेदनशील माना जाता है।

पृष्ठ एक का शेष

देशों के बीच रिश्ते ...

शिखर सम्मेलन में पारिवारिक तस्वीर खिंचवाने के लिए एकत्रित हुए। यह वैश्विक चुनौतियों से निपटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। नीस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय मंच पर भी अपनी चर्चा को आगे बढ़ाया। भारत और फ्रांस ने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने तथा अधिक समृद्ध, सतत और समावेशी भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बताया कि एवियन पहुंचकर उन्हें विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण वैश्विक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जी-7 देशों के नेताओं के साथ चर्चा हमेशा उपयोगी रहती है और भारत एक अधिक सतत तथा समृद्ध विश्व के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि जी-7 दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। भारत इसका सदस्य नहीं है लेकिन विशेष आमंत्रित देश के रूप में प्रधानमंत्री मोदी को सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। शिखर सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है।

16 महीनों बाद राष्ट्रपति ...

आउटरीच सत्र से पहले जी-7 समिट में शामिल होने वाले नेता पारंपरिक *फैमिली फोटो* के लिए एक साथ आए। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अन्य विश्व नेताओं के साथ अगली लाइन में खड़े थे। इस यादगार फोटो में पीएम मोदी के साथ दुनिया के कई अहम नेता शामिल थे, जिनमें यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा शामिल थे।

अंबुबासी मेले के लिए...

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए विशेष अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके साथ ही 24 घंटे टिकट बुकिंग सेवा, सहायता केंद्र, पूछताछ काउंटर, भोजन पैकेट और पेयजल वितरण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यात्रियों की निर्बाध आवाजाही, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और बेहतर सुविधा सुनिश्चित करना है। यात्रियों की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए पूसीरे लगभग 50 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचों के साथ तीन विशेष अनारक्षित ट्रेन सेवाएं संचालित करेगा। ट्रेन संख्या 05661 कामाख्या-अलीपुरद्वार जंक्शन विशेष ट्रेन 19 जून को रवाना होगी। वहीं ट्रेन संख्या 05444/05445 अलीपुरद्वार-कामाख्या-अलीपुरद्वार विशेष सेवाएं 20 से 22 जून तथा 24 से 27 जून तक प्रतिदिन संचालित की जाएंगी। इसके अलावा ट्रेन संख्या 05780 न्यू जलपाईगुड़ी-कामाख्या विशेष ट्रेन 20 और 27 जून को तथा ट्रेन संख्या 05779 कामाख्या-न्यू जलपाईगुड़ी विशेष ट्रेन 21 और 28 जून को चलेगी। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए कई नियमित यात्री ट्रेनों में अस्थायी रूप से 11 अतिरिक्त सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच भी जोड़े जाएंगे। टिकटिंग व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कामाख्या और गुवाहाटी रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त बुकिंग काउंटर चौबीसों घंटे खुले रहेंगे। श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए विशेष सहायता केंद्र और पूछताछ काउंटर भी स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को मजबूत करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) तथा रेलवे के वाणिज्यिक और तकनीकी विभागों के अतिरिक्त कर्मियों को कामाख्या, गुवाहाटी और अन्य प्रमुख स्टेशनों पर तैनात किया जाएगा। इसके अलावा पूसीरे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के लगभग 200 स्वयंसेवक भी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। पूसीरे ने कहा कि इन व्यापक व्यवस्थाओं का उद्देश्य देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध तीर्थयात्रा अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे पूर्वोत्तर भारत के इस प्रमुख आध्यात्मिक आयोजन में बिना किसी कठिनाई के भाग ले सकें।

असम का किसान बांग्लादेश ...

के उस पार स्थित कृषि भूमि तक पहुंच मिल गई। खबरों के मुताबिक, करीब 16 से 17 किसान खेती के काम के लिए उस इलाके में दाखिल हुए थे, तभी कथित अपहरण की घटना घटी। रणजीत के छोटे भाई, कालीमोहन दास, जिन्होंने घटना को प्रत्यक्षदर्शी होने का दावा किया, ने आरोप लगाया कि जब किसान हल चला रहे थे, तब कुछ लोगों के समूह ने उनसे संपर्क किया। खेती के दौरान हल में खराबी आ गई, जिससे कुछ देर का समय लग गया। अचानक कुछ लोग आए और उसे पकड़ लिया। इससे पहले कि हम कुछ समझ पाते, वे उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए, कलिमोहन ने आरोप लगाया। उसने आगे दावा किया कि उन लोगों ने रणजीत को घसीटकर ले जाने से पहले उसे धमकी दी थी। रणजीत के बेटे सुजीत दास ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 11 बजे गांव वालों से सूचना मिली। सुजीत ने कहा कि उन्होंने मुझे जल्दी बाहर आने को कहा और बताया कि मेरे पिता को उठा लिया गया है और बांग्लादेश की ओर ले जाया जा रहा है। मेरा उनसे कोई संपर्क नहीं था। वे एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं। परिवार ने तुरंत बीएसएफ को सूचित किया, जिसने जवाब देते हुए बीजान्टियम जीबी के साथ बातचीत शुरू की और एक फ्लैग मीटिंग की मांग की। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि बांग्लादेश की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद बीएसएफ कर्मियों ने नदी के किनारे एक स्पीडबोट तैनात करने से पहले लगभग एक घंटे तक इंतजार किया। आगे की बातचीत के बाद, बांग्लादेश सीमा से दो से तीन व्यक्ति कथित तौर पर पहुंचे, हालांकि इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक कोई विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया था। सुजीत ने अपने पिता की सुरक्षित वापसी की अपील करते हुए कहा कि हमें उनके ठिकाने के बारे में कोई पुष्ट जानकारी नहीं मिली है। काटीगोराह के विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्था ने इलाके का दौरा किया और कहा कि उन्होंने असम के मुख्य सचिव से संपर्क किया है और इस मामले को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और वरिष्ठ बीएसएफ अधिकारियों के संज्ञान में लाया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी संबंधित अधिकारियों से इस मामले की शीघ्र जांच करने और रणजीत दास की सुरक्षित और शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। इस कठिन घड़ी में, मैं उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा हूं और उनकी सुरक्षित और स्वस्थ वापसी के लिए हार्दिक प्रार्थना करता हूं। खबरों के मुताबिक, कछार के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सैकिया और जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर मौजूद थे। इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक रणजीत के ठिकाने के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, और उसके लापता होने के आसपास की परिस्थितियों की जांच जारी थी।

राज्यों के खजाने पर ...

करोड रुपए से बढ़ कर 4.32 लाख करोड़ रुपए हो गई है। बताते चलें कि भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक में मुफ्त बिजली एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन कर उभरा है। इसकी शुरुआत दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने की, जहां 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का प्रावधान लंबे समय से चल रहा है। दिल्ली के बाद में कई अन्य राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों ने इसे आजमाया व सफलता हासिल की। पंजाब में भी आप सरकार ने इसी मॉडल को लागू किया। पिछले दो वर्षों में कई राज्यों में भाजपा, कांग्रेस या क्षेत्रीय दलों की सरकारों ने भी कृषि और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त या अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली योजनाएं शुरू या विस्तारित की हैं, जैसे कर्नाटक की गृह ज्योति योजना और राजस्थान की घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 100 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी पहल। ये योजनाएं चुनावी वादों का हिस्सा बनकर राज्य सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ा रही हैं। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में ऊर्जा सब्सिडी में सबसे ज्यादा खर्च करने वाले शीर्ष पांच राज्य हैं, राजस्थान (32,572 करोड़ रुपए), कर्नाटक (26,701 करोड़ रुपए), मध्य प्रदेश (18,790 करोड़ रुपए), उत्तर प्रदेश (17,392 करोड़ रुपए) और महाराष्ट्र (16,094 करोड़ रुपए)। इन राज्यों में आम जनता को मासिक मुफ्त बिजली की सीमा अलग-अलग है, राजस्थान में घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक मुफ्त, कर्नाटक में 200 यूनिट, दिल्ली के माडल की तर्ज पर अन्य राज्यों में भी 100-200 यूनिट तक की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) के राजस्व घाटे की भरपाई राज्य खजाने से की जा रही है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों द्वारा दी गई सब्सिडी 4,37,326 करोड़ रुपए रही, जिसमें महाराष्ट्र (56,104 करोड़ रुपए), तमिलनाडु (52,603 करोड़ रु.), कर्नाटक (48,114 करोड़ रु.), मध्य प्रदेश (43,687 करोड़ रु.) और राजस्थान (34,024 करोड़ रु.) जैसे शीर्ष पांच राज्य अकेले 54 फीसद हिस्सा रखते हैं। इन सभी राज्यों की तरफ से दी जाने वाली सब्सिजी में बिजली सब्सिडी की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। यह स्थिति राज्यों को दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और विकास योजनाओं के लिए चुनौती बनाती जा रही है।

असम में 47 करोड़ रुपए ...

धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। बिहार के पटना से तीन, पश्चिम बंगाल से दो और गुवाहाटी से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान बिहार से साहिना सुल्ताना, शाहबाज हैदर और मोहम्मद नौशाद, पश्चिम बंगाल से दीपक शॉ और राजेंद्र शॉ, और असम से अमित झा, अजय कुमार यादव और चंदन कुमार के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, असम जीएसटी विभाग द्वारा राज्य के बाहर इस तरह की व्यापक प्रवर्तन कार्रवाई पहली बार की गई थी। पेगु ने कहा कि जांच में बिटुमेन कारोबार से जुड़े एक बड़े पैमाने पर कर चोरी के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। बिटुमेन कारोबार में शामिल कई और लोग जीएसटी विभाग की निगरानी में हैं। कर चोरी में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तारियों और साक्ष्यों की बरामदगी से कथित फर्जी बिल और आईटीसी धोखाधड़ी के पीछे के व्यापक नेटवर्क के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और वित्तीय जांच हो सकती है।

यूपी, गोवा समेत चार ...

पहले चुनाव कराने की संभावना पर चर्चा हो रही है, क्योंकि जनगणना और वोटिंग की प्रक्रिया में शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों समेत कई एक जैसे कर्मचारियों की जरूरत होगी। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों की कमी की चिंता के कारण चुनाव वाले राज्यों में चुनाव कार्यक्रम में बदलाव करने पर चर्चा शुरू हुई है। जनगणना का दूसरा चरण, जिसमें आबादी और जाति की गिनती शामिल है, फरवरी 2027 में शुरू होना है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव वाले सभी राज्यों में कोर ग्रुप्स से कहा गया है कि वे अपनी चुनावी तैयारियों में तेजी लाएं। जहां यूपी, गोवा और पंजाब में भाजपा सूत्रों ने संकेत दिया है कि जनगणना से जुड़ी लॉजिस्टिकल चुनौतियों (क्योंकि दोनों कामों में ज्यादातर एक ही तरह के लोगों की जरूरत होती है) से बचने के लिए चुनाव कुछ हफ्ते पहले कराए जा सकते हैं, वहीं उत्तराखंड भाजपा चुनाव और भी जल्दी कराने के पक्ष में बताई जा रही है। उत्तर प्रदेश में, जहां भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, पार्टी नेताओं का मानना है कि अगर उम्मीद से पहले भी चुनाव होते हैं, तो संगठन इसके लिए तैयार है। गोवा और पंजाब में भी ऐसी ही तैयारियां चल रही हैं, जबकि उत्तराखंड यूनिट चुनाव कार्यक्रम को और ज्यादा जल्दी करने के पक्ष में बताई जा रही है।

उद्धव को शिंदे फिर ...

संजय दिना पाटील इन बागी सांसदों में शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक कल या परसों ये टूट हो सकती है और स्पीकर से मुलाकात करके पत्र दिया जा सकता है। अनिल देसाई और संजय राउत पार्टी में टूट को रोकने के लिए दिल्ली में ही हैं। एकनाथ शिंदे के पार्टी नेता और विधायक कृपाल तुमाणे ने सनसनीखेज दावा किया है। उनके दावे के मुताबिक संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कुल 7 सांसद अलग गुट बनाएंगे। उन्होंने कहा है कि इन सभी सात सांसदों ने यह फैसला लिया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सनसनीखेज दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के कुल 16 विधायकों में से 14 विधायक पार्टी छोड़ देंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री और शिंदे गुट नेता प्रतापराव जाधव ने कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ जो भी सांसद और विधायक हैं, उनमें बेचैनी है, क्योंकि पार्टी में उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा है। इसी कारण कई जनप्रतिनिधियों ने पार्टी छोड़ने का मन बना लिया है। ऑपरेशन टाइगर कब शुरू होगा, इस सवाल पर जाधव ने तंज कसते हुए कहा कि इसकी जानकारी तो संजय राउत ही दे सकते हैं। संजय राउत ने मानो यह ठान लिया है कि उद्धव ठाकरे की पार्टी को खत्म करके ही रहना है।

टीएमसी बागियों के विलय ...

मंत्रालय से लिखित कानूनी राय मांग सकते हैं। कानून मंत्रालय इसके लिए देश के वरिष्ठ कानून अधिकारियों (सरकारी वकीलों) से सलाह लेगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि स्पीकर का फैसला कानूनी रूप से इतना मजबूत हो कि अगर इसे बाद में कोर्ट में चुनौती दी जाए, तो वह खारिज न हो। इस बीच, टीएमसी बागियों के इस कदम पर कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य ने संविधान की 10वीं अनुसूची (दलबदल कानून) का हवाला देते हुए बताया कि नियम के मुताबिक, केवल एक राजनीतिक पार्टी ही दूसरी राजनीतिक पार्टी में मिल सकती है, सांसद या विधायक खुद अपनी मर्जी से किसी पार्टी का विलय नहीं कर सकते। अगर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व विलय का फैसला करता है, तब सांसदों को उसे मानना होता है। दूसरी ओर चुनाव आयोग के एक पूर्व अधिकारी ने बागियों के इस कदम को एक अनोखा प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि दलबदल विरोधी कानून या जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) में सांसदों द्वारा इस तरह किसी पार्टी को टेकओवर करके विलय करने का कोई जिक्र नहीं है। गौरतलब है कि संसद में टीएमसी का संकट रविवार को तब और गहरा गया जब बागी सांसदों ने अचानक एनसीपीआई में विलय का एलान कर दिया। बागी गुट की अध्यक्ष चुनी गईं काकोली घोष दस्तीदार ने बताया कि टीएमसी के दो-तिहाई (20 सांसदों) ने स्पीकर को अलग बैठने की व्यवस्था के लिए चिट्ठी दी है। हम नेशलिस्ट सिटीजन्स पार्टी (एनसीपीआई) में शामिल हो रहे हैं और केंद्र की एनडीए सरकार का समर्थन करेंगे। बता दें कि जिस एनसीपीआई पार्टी के सहारे बागी सांसद अपनी सांसदी बचाना चाहते हैं, उसका रजिस्ट्रेशन जनवरी 2023 में पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले से हुआ था और देश की राजनीति में उसका कोई वजूद नहीं रहा है। अब सबकी नजरें स्पीकर ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं।

नागपुर में एयरफोर्स जवान...

और वह जमीन के कारोबार से जुड़ी है। लगभग एक साल पहले, अयाज ताज मदारे नाम के एक परिचित ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि उसके पास जमीन का एक संभावित खरीदार है। उसने पीड़िता को नागपुर के वर्धा रोड इलाका स्थित इंपीरियल ग्रीन होटल में मिलने के लिए कहा। वहां, उसने पीड़िता की कोल्ड ड्रिंक में नशीली दवा मिला दी। जब वह बेहोश हो गई तो अयाज ताज मदारे और उसके साथी अमीन शेख ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने घटना का वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। एक साल के दौरान, आरोपितों ने बार-बार उसके साथ उत्पीड़न किया और उससे 3.09 लाख ऐंठ लिए। इन दो आरोपितों की मदद से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया के एक मौलाना ने उसे जबरदस्ती इस्लाम अपनाने और निकाह (इस्लामिक विवाह समारोह) करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। आखिरकार, पीड़िता किसी तरह बच निकलने में कामयाब रही और सोनेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए क्राइम डिटेक्शन यूनिट के इंचार्ज विक्रांत कार्तकर की अगुवाई वाली टीम ने अयाज मदारे और अमीन शेख को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत रेप, जबरन वसूली और जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश के गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। साथ ही, महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, बुरी और अघोरी प्रथाओं तथा काले जादू की रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

अब लेबनान पर इजराइली...

ईरान लौटेंगे। तेहरान के साथ 60 दिनों की बातचीत के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई टोल नहीं लगेगा। ईरानी मीडिया के अनुसार अमेरिका के नौसैनिक नाकाबंदी हटाने के बाद ईरान के तीन तेल टैंकर और दो कार्गो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे हैं। इस समझौते के अहम पक्ष इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि अमेरिका-ईरान समझौते के बावजूद इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान पर कब्जा बनाए रखेगी। जिनेवा में समझौते पर हस्ताक्षर होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल लेबनान पर हमला करता है या देश पर कब्जा बनाए रखता है तो तेहरान इसे अमेरिका के साथ हुए अपने समझौता ज्ञापन का उल्लंघन मानेगा। वैसे तो अरागची की चेतावनी में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि इस टकराव की शुरुआत से ही ईरान का रुख यह रहा है कि ईरान और लेबनान अलग-अलग मोर्चे नहीं हैं। वे एक ही मोर्चा हैं। मगर अरागची का ताजा संदेश साफ है कि तेहरान अपने सहयोगी हिजबुल्लाह का साथ नहीं छोड़ेगा। इजराइल न सिर्फ युद्धविराम से नाखुश है, बल्कि उसने बार-बार कहा है कि वह लेबनान के इलाके पर अपना कब्जा खत्म नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ शुक्रवार (19 जून) को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हस्ताक्षर समारोह में शामिल होंगे और उसके बाद अमेरिका के साथ बातचीत की अगुवाई करेंगे। इस समझौते की घोषणा के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी योजना का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते का मुख्य बिंदु है कि ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम रोकना होगा। इस शांति समझौते का पूरा विवरण जिनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के बाद जारी किया जाएगा। उन्होंने प्रति प्रश्न पर कहा कि कुछ तकनीकी विवरणों पर काम करना बाकी है। इसलिए समझौते का विवरण जारी नहीं किया गया है। जेंस ने कहा कि हमने ईरान के नेतृत्व से बात की और क्षेत्र के कई देशों से सलाह-मशविरा किया। इस खास समझौते में मध्यस्थता करने में कतर और पाकिस्तान ने बहुत मदद की। वेंस ने कहा कि ईरान में परमाणु सामग्री के निरीक्षण शुरू होने की तारीख भी शुक्रवार को तय की जा सकती है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका की फंडिंग वाली खबरों को *फेक न्यूज* कहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह खबर कि अमेरिका ईरान को 30 लाख करोड़ डॉलर दे रहा है, फेक न्यूज है, इसे डेमोक्रेट्स ने फैलाया है। इससे पहले तो यह भी खबर आई थी कि समझौते के तहत ईरान को पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर मिल सकते हैं।

अब डॉक्टर की पर्ची ...

लिए कुछ लाइसेंस संबंधी नियमों से छूट मिलती थी। नए बदलाव के बाद अब कफ सिरप की बिक्री और वितरण केवल लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर या फार्मेसी के जरिए ही किया जा सकेगा। यह नियम औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उससे जुड़े नियमों के तहत लागू होगा। अब आप मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के पर्चे के कोई भी सिरप (जैसे खांसी, सर्दी या बुखार का सिरप) नहीं खरीद पाएंगे। केंद्र सरकार ने 9 जून 2026 से एक नया नियम लागू किया है। पहले कुछ आम सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के मिल जाते थे। सरकार ने अब उन्हें उस सूची से हटा दिया है। अब खांसी की दवा समेत किसी भी तरह का सिरप खरीदने के लिए डॉक्टर की लिखित पर्ची दिखाना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर बेहतर निगरानी रखने, दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और जनस्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है। सरकार का कहना है कि इस बदलाव से देशभर में कफ सिरप की बिक्री अधिक जिम्मेदारी और तय मानकों के अनुसार हो सकेगी। मंत्रालय ने कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों, वितरकों और दवा विक्रेताओं को सभी लाइसेंस और नियामकीय नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है।

नीट एग्जाम : भारत में ...

टाइमस्टैम्प बनाए रखकर पेपर लीक के झूठे सबूत न बना सकें। एजेंसी ने माना कि इन पाबंदियों से टेलीग्राम के असली यूजर्स को परेशानी होगी, लेकिन कहा कि ये उपाय कुछ समय के लिए ही हैं और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। एजेंसी ने फिर से कहा कि नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा तय समय के अनुसार 21 जून को ही होगी और उम्मीदवारों से अपील की कि वे अपडेट के लिए सिर्फ एनटीए के आधिकारिक चैनलों पर ही भरोसा करें।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर गुवाहाटी में भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश द्वारा मंगलवार को गुवाहाटी के शहीद स्मारक क्षेत्र में एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया तथा राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने किया। भाजपा सूत्रों ने बताया है कि एक समय असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के बीच यह भावना गहराई से व्याप्त थी कि राष्ट्रीय मुख्यधारा और केंद्र सरकार द्वारा उनकी उपेक्षा की जा रही है। राज्य के विभिन्न विकासात्मक अधिकारों और मांगों को पूरा कराने के लिए लोगों को लंबे समय तक आंदोलन और जनसंघर्ष का सहारा लेना पड़ता था। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की अवधारणा को साकार करते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को नई गति मिली है। इससे लोगों के बीच विश्वास, आत्मीयता और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना मजबूत हुई है तथा उपेक्षा की पुरानी धारणा समाप्त हुई है। भाजपा ने दावा किया कि इस अवधि में असम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मूर्त रूप मिला है। इनमें धुबड़ी–फुलबाड़ी सेतु, ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सड़क एवं रेल सुरंग परियोजना, जागीरोड सेमीकंडक्टर परियोजना, लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास, चराइदेव मैदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा के विकास संबंधी पहलें प्रमुख हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि असम की प्रगति, समृद्धि और गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योगदान ऐतिहासिक है और राज्य की जनता इसके लिए सदैव उनकी आभारी रहेगी।

केंद्र और असम के बीच सिंचाई एवं कृषि विकास को लेकर सहयोग मजबूत होगा : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सिंचाई, कृषि एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट कर राज्य के सिंचाई और कृषि क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के सरकारी आवास पर हुई बैठक में हजारिका ने ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियों के आधार पर असम में उपलब्ध विशाल सिंचाई क्षमता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 27 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की संभावनाएं हैं, लेकिन वर्तमान में केवल करीब सात लाख हेक्टेयर भूमि ही सिंचाई योजनाओं के दायरे में है। बैठक में सिंचाई अवसंरचना को मजबूत करने तथा केंद्र सरकार की *हर खेत को पानी* परिकल्पना के अनुरूप सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर विचार–विमर्श किया गया। पाटिल ने असम के सिंचाई क्षेत्र की अपार संभावनाओं की सराहना करते हुए इसके विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद हजारिका ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। कृषि मंत्री के रूप में दायित्व संभालने के बाद हुई इस शिष्टाचार भेंट में हजारिका ने असम के कृषि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, संचालित योजनाओं और भविष्य की संभावनाओं से उन्हें अवगत कराया। चौहान ने कृषि क्षेत्र में अपने अनुभव के आधार पर असम में कृषि विकास और किसानों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही उन्होंने राज्य के कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। दोनों बैठकों को असम के सिंचाई और कृषि क्षेत्रों के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अवैध खनन में शामिल एक माफिया गिरफ्तार, डंपर जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, (एसएसबी) रानीगुली की बाह्य सीमा चौकी दादागिरी को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी दादागिरी एवं वन विभाग देवश्री द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। संयुक्त अभियान के दौरान भारत–भूटान सीमा स्तंभ संख्या 169/5 से लगभग 9 किलोमीटर भारत की ओर स्थित देवश्री–वन क्षेत्र में संयुक्त गस्त के दौरान पत्थरों से भरे एक डम्पर के साथ अवैध खनन में संलिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए डम्पर सहित गिरफ्तार अभियुक्त को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु वन विभाग, देवश्री को सुपुर्द कर दिया गया है। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा भारत–भूटान सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त, निगरानी एवं सतर्कता बरती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप तस्करी एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। सशस्त्र सीमा बल भविष्य में भी सीमा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु प्रतिबद्ध है।

धुबड़ी : राष्ट्रीय आयुष मिशन की पहल पर कल जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

धुबड़ी (विभास)। पूरे विश्व के साथ–साथ धूबड़ी जिला प्रशासन के सहयोग और राष्ट्रीय आयुष मिशन की पहल पर आगामी 18 जून को 12वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर धुबड़ी शहर में स्थित गुरुद्वारा परिसर में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता आयु के अनुसार चार श्रेणियां में आयोजित की जाएगी। प्रथम श्रेणी 10 वर्ष तक, दूसरा श्रेणी 11 से 18 वर्ष तक, तीसरा 19 से 35 वर्ष तक तथा चौथा 36 से ऊपर तक का प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपील की गई।

कामरूप (मेट्रो) जिले में डायरिया रोकथाम अभियान का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। समूचे राज्य के साथ–साथ कामरूप (मेट्रो) जिले में भी आज से डायरिया रोकथाम अभियान शुरू किया गया है। 16 जून से 31 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित राज्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किया गया। इसके साथ ही जिले के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में भी इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया गया। विशेष रूप से जून और जुलाई माह में डायरिया के संभावित प्रकोप को रोकने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की गई है। किसी भी बच्चे की डायरिया के कारण मृत्यु न हो, इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच शौचालय के उपयोग, स्वच्छ तरीके से हाथ धोने की आदत तथा शुद्ध पेयजल के सेवन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलायी जाएगी। आज से शुरू हुए इस अभियान के अंतर्गत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को शामिल किया जाएगा तथा उन्हें ओआरएस और जिंक टैबलेट वितरित किए जाएंगें। जिले की आशा कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी और ओआरएस तथा जिंक टैबलेट का वितरण भी करेंगी। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य, जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों के साथ–साथ आरोग्य मंदिर के चिकित्सक, नर्स तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति केंद्र में युवक की रहस्यमय मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के बेबेजिया स्थित एक नशामुक्ति केंद्र में भर्ती एक युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान डिमौ निवासी भास्कर डेका के रूप में हुई है। आज प्राप्त जानकारी के अनुसार भास्कर डेका को 11 जून को बेबेजिया स्थित *डिवाइन अवेकनिंग वेलनेस सोसाइटी* नामक नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक की पत्नी वर्षा देवी ने नशामुक्ति केंद्र के खिलाफ बेबेजिया पुलिस चौकी में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि भास्कर डेका के शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। उनका दावा है कि युवक को लोहे के उपकरणों से पीटा गया था और इलाज के नाम पर उसके साथ शारीरिक प्रताड़ना की गई।

नगरबेरा पत्रकार संघ की नई समिति गठित

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले में ग्रेटर नगरबेरा और उसके आसपास के क्षेत्रों के पत्रकारों के लिए आयोजित नगरबेरा पत्रकार संघ की आम बैठक आज आयोजित की गई। महासचिव अहमद इम्तियाज बुलबुल ने यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के अस्थायी कार्यालय परिसर में सभापति अब्दुल लतीफ सरकार की अध्यक्षता में हुई बैठक के उद्देश्य के बारे में बताया। बैठक में लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग, नगरबेरा पत्रकार संघ के सक्रिय सदस्य दिवंगत पत्रकार गियादुद्दीन अहमद को भी श्रद्धांजलि दी। बाद में पत्रकार संघ की विभिन्न गतिविधियों और नई समिति के गठन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के अनुसार, हसनुल अहमद, अब्दुल लतीफ सरकार और अलाउद्दीन अहमद को सलाहकार, अहमद इम्तियाज बुलबुल को अध्यक्ष, रबीउल हुसैन को कार्यकारी अध्यक्ष, साज्जाद कबीर को महासचिव, मिजानुर रहमान को सहायक सचिव, अब्दुल हक को पत्रिका संपादक लेकर नगरबेरा जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अगले दो साल के कार्यकाल के लिए एक नई समिति का गठन किया गया है।

दूसरी कक्षा की छात्रा का अपहरण करने की कोशिश लोगों ने की धुलाई

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिला मुख्यालय में कक्षा दो में पढ़ने वाली एक छात्रा का अपहरण करने की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अपने पिता के साथ कक्षा दो में पढ़ने वाली यह छात्रा स्कूल जा रही थी। इसी दौरान दो अपहरणकर्ताओं ने बच्ची के पिता के गर्दन पर चाकू रखकर बच्ची का अपहरण करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों अपहरणकर्ता को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शहीदुल अली और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। लोगों ने दोनों की जमकर पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उन्हें गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अपहरणकर्ता गुवाहाटी से नलबाड़ी पहुंचे थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

बरपेटा में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या : तीन नाबालिग गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। जिले के बाघबर में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में तीन किशोरों (नाबालिगों) को आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि सोमवार को बाघबर, बरपेटा के 2 नंबर चसारा गांव में एक भयानक घटना हुई, जहां 10 साल की बच्ची के साथ बेरहमी से दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस के सामने तीनों किशोरों ने कबूल किया कि उन्होंने स्कूल से घर लौट रही बच्ची को निशाना बनाया, उसे जूट के खेत में ले गए और बेरहमी से रेप करके उसकी हत्या कर दी। बच्ची स्कूल से कभी घर नहीं लौट पाई। बाद में उसी रात, उसके परिवार को मक्के के खेत में उसका खून से लथपथ शव मिला। इस घटना के बाद, उसी रात देर से बरपेटा क्राइम ब्रांच के एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस समीरन बैश्य और डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस भार्गिश कुमार डेका की अगुवाई में पुलिस ने जांच शुरू की और रेप और हत्या में शामिल तीनों किशोरों को गिरफ्तार कर लिया। पता चला है कि तीनों आरोपितों में से एक, पीड़िता का ही मामा है। जानकारी के अनुसार सोमवार को बच्ची स्कूल से बीच में ही घर लौट आई थी, क्योंकि उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। जब वह अकेले घर लौट रही थी और जूट के खेतों के पास सुनसान इलाके से गुजर रही थी, तो तीनों आरोपितों ने उसे जूट के खेतों में खींच लिया, उसके साथ बेरहमी से रेप किया और फिर उसकी स्कूल यूनिफॉर्म से ही उसे फांसी पर लटकाकर मार डाला। शुरू में, पुलिस को इस बात का कोई सुराग नहीं मिला कि बच्ची के साथ रेप और हत्या में कौन शामिल हो सकता है। हालांकि, गहन जांच के बाद पुलिस ने तीनों किशोरों को गिरफ्तार किया और पूछताछ के दौरान उन्होंने पुलिस के सामने सब कुछ कबूल कर लिया।

कोकराझाड़ में विकास योजनाओं की समीक्षा

डीसी और विधायकों ने विकास कार्यों में तेजी लाने पर दिया जोर

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार को जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक उच्च–स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिला आयुक्त डॉ. पी उदय प्रवीण की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के विकास को गति देने और जन–कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 1–गोसाईगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक सभाराम बसुमतारी, 4–बाउखुंगरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपम चंद्र रॉय और 5–परबतझोरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मो. अशरफुल इस्लाम शेख विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के एडीसी और विभागाध्यक्षों ने अपने–अपने विभागों द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। विधायक निधि, सांसद निधि, अनटाइड फंड और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की गई। विधायकों ने स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर सुझाव दिए और इस बात पर जोर दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही समय पर और कुशलतापूर्वक आम जनता तक पहुंचे, जिसके लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। जिला आयुक्त डॉ. पी उदय प्रवीण ने बैठक में स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यों के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करें। बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण सुनिश्चित करें। जवाबदेही तय करते हुए *परिणाम–उन्मुख* दृष्टिकोण अपनाएं। नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से निर्धारित समय–सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण करें। यह बैठक जिले में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। बैठक में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी संबंधित विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

धार्मिक स्थलों पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने लगवाए पंखे और वाटर फिल्टर

रंगिया (विभास)। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए जनसेवा के कार्यों के तहत अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा ने एक सराहनीय पहल की है। समिति द्वारा स्थानीय विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों के प्रांगण में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंखे और शीतल पेयजल के फिल्टर लगवाए गए हैं। शाखा की पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, तीनाली स्थित सुप्रसिद्ध विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में समिति की ओर से दो पंखे लगवाए गए, ताकि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत मिल सके। इसके साथ ही, रंगिया वार्ड नंबर–3 स्थित शिव मंदिर एवं नामघर प्रांगण में भी एक पंखा और एक वाटर फिल्टर स्थापित किया गया है। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने इन उपकरणों को संबंधित मंदिर संचालन समितियों के पदाधिकारियों को सुपुर्द किया। सम्मेलन की पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि समिति द्वारा आगामी दिनों में जनहित में एक और वाटर फिल्टर शीघ्र लगवाया जाएगा।

एनसीडीईएक्स ने गुवाहाटी से अपना राष्ट्रव्यापी घर–घर *निवेशक* अभियान किया शुरू

गुवाहाटी। एनसीडीईएक्स लिमिटेड ने आज देश भर में निवेश बाजार तक आसान पहुंच और भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से *घर–घर निवेशक* अभियान शुरू किया। कंपनी ने इस राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए गुवाहाटी को पहले गंतव्य के रूप में चुना है। इस अभियान का एक स्पष्ट और मापने योग्य लक्ष्य भारत के प्रत्येक घर में कम से कम एक निवेशक को शामिल करना है। यह अभियान *भारत के लिए समानता* की परिकल्पना को और अधिक मजबूती से दर्शाता है, जिसका उद्देश्य भारत के प्रत्येक घर के लिए निवेश के अवसरों को सुलभ, पारदर्शी और समझने में आसान बनाना है। एनसीडीईएक्स का लक्ष्य भारत की अगली पीढ़ी के निवेशकों को, चाहे वे सबसे विकसित शहरों से हों या पिछड़े क्षेत्रों से, औपचारिक और विनियमित वित्तीय बाजारों से जोड़ना है। पूर्वोत्तर के वाणिज्यिक और सांस्कृतिक प्रवेश द्वार के रूप में, गुवाहाटी पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, जहां के नागरिकों में आर्थिक विकास की स्वाभाविक इच्छा है, लेकिन उन्हें औपचारिक वित्तीय बाजारों तक पर्याप्त पहुंच से वंचित रखा गया है। वित्तीय साक्षरता में वृद्धि, डिजिटल

प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग और औपचारिक निवेश के माध्यम से धन सृजन की बढ़ती प्रवृत्ति ने गुवाहाटी को एक ऐसे दृष्टिकोण का रणनीतिक प्रारंभिक बिंदु बना दिया है, जिसकी प्रतिबद्धताएं राष्ट्रीय स्तर की हैं, लेकिन उनका दायरा स्थानीय है और कार्य स्थानीय स्तर पर शुरू किया जाता है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, एनसीडीईएक्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. अरुण रास्ते ने कहा कि भारत की बचत की कहानी दुनिया की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक है।

मानस राष्ट्रीय उद्यान में लगातार तीन वर्षों से गैंडा और बाघ का शिकार शून्य : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य के मानस नेशनल पार्क में लगातार तीन वर्षों से गैंडा और बाघ के शिकार की एक भी घटना दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने इसे वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में असम की एक बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक समय था जब मानस राष्ट्रीय उद्यान में शिकार की घटनाएं अक्सर सुर्खियों में रहती थीं, लेकिन अब *शून्य शिकार ही नई सामान्य स्थिति* बन गई है। उन्होंने कहा कि लगातार तीन वर्षों तक गैंडा और बाघ के शिकार की कोई घटना न होना राज्य सरकार के सतत संरक्षण प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय वन्यजीवों की सुरक्षा और जैव विविधता के संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सफलता वन्यजीव संरक्षण तंत्र को मजबूत करने तथा संरक्षित क्षेत्रों में बेहतर संरक्षण परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में असम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त मानस राष्ट्रीय उद्यान ने अतीत में शिकार और उग्रवाद से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना किया था। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने, सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने और स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार द्वारा जैव विविधता की रक्षा और वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों का प्रतीक है।

तेजपुर तेरापंथ सभा की नवगठित टीम ने किए मुनि आनंद कुमार *कालू* के दर्शन

नगांव (निसं)। आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि आनंद कुमार जी *कालू* एवं सहवर्ती मुनि विकास कुमार के दर्शनार्थ जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, तेजपुर के नवमनोनीत अध्यक्ष रतनलाल दोसी एवं उनकी टीम शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात रविवार को तेरापंथ भवन, नगांव पहुंची। इस अवसर पर मुनि ने अपने मंगल उद्‌बोधन में संगठन की सुदृढ़ता, समर्पण, संस्कार एवं धर्मसंघ के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा प्रदान की। सभी को गुरु इंगित के अनुरूप कार्य करना है। उन्होंने कहा कि संगठन तभी प्रगति करता है जब पदाधिकारी सेवा, सहयोग और समन्वय की भावना से कार्य करें। मुनि ने कहा की हमारे धर्मसंघ के आचार्यों ने अपने दूरदर्शिता एवं युगानुकूल चिंतन शैली से जन मानस को बहुत कुछ दिया है, आपसी व्यवहार जीवन प्रेरणा है। उल्लेखनीय है की तेरापंथ सभा की नई टीम ने शपथ ग्रहण के पश्चात अध्यक्ष रतनलाल डोसी के नेतृत्व में लगभग सभी सदस्य जिनमे उपाध्यक्ष अशोक बोथरा, सहमंत्री मोती नाहटा,संगठन मंत्री संजय सुराणा, ज्ञानशाला प्रभारी सुशीला दुगड़ आदि कार्यकारिणी सदस्य, तेरापंथ महिला मंडल की बहने, तेरापंथ युवक परिषद के सदस्यों ने मुनि के सेवा दर्शन उपासना का लाभ लिया एवं मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, नगांव के नवनियुक्त अध्यक्ष विनोद बोथरा ने तेजपुर सभा के अध्यक्ष रतनलाल डोसी का फुलाम गामोछा भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर नगांव सभा की टीम उपस्थित रही।

संपादकीय

समझौता तय, लेकिन कब?

राष्ट्रपति ट्रंप का बीती 14 जून को जन्मदिन था। वह 80 वर्ष के हो गए हैं। फिर भी उन्हें शुभकामनाएं देने और उनके लिए दुआएं करने का मन नहीं है। बेशक वह 'सुपर पॉवर' अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, लेकिन मानसिकता से वह एक शातिर, मुनाफाखोर व्यापारी हैं, वैश्विक आक्रांता हैं, कब्जेबाज हैं, सनकी और अस्थिर भी हैं तथा दुनिया को उपनिवेश मानने वाले नेता हैं। चूंकि अब ईरान युद्ध पर समझौते के आसार बार-बार उभर रहे हैं, लिहाजा माना जा सकता है कि युद्ध समाप्ति की ओर है। यह स्थिति करीब 110 दिन के बाद लग रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का अहंकार, उनकी अकड़ समझ में आती है, क्योंकि वह किसी भी देश को मिट्टी-मलबे में तब्दील करने की सामरिक ताकत रखते हैं। ईरान का अधिकांश हिस्सा खंडहर हो चुका है। सरकारी ही सही, सार्वजनिक आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि युद्ध के दौरान ईरान में 3636 मौतें हो चुकी हैं, करीब 26,500 घायल हुए हैं, ईरान के 155 नौसेना जहाज और हजारों ड्रोन अमरीकी सेना ने तबाह कर दिए हैं, हजारों मिसाइल हमलों में खर्च हो चुकी हैं, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40-45 शीर्ष नेता और मंत्री, विभिन्न कमांडर, सलाहकार आदि एक ही हमले में मार दिए गए थे। एक अमरीकी डॉलर की कीमत 13.75 लाख रियाल से अधिक है, महंगाई दर 77 फीसदी को पार कर चुकी है, आईएमएफ के मुताबिक, ईरान की जीडीपी में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। भुखमरी के पूरे आसार हैं, क्योंकि लोगों को ऋण लेकर अंडा, चिकन, भोजन का बंदोबस्त करना पड़ रहा है। वहां 'ईएमआई पर भोजन' के बिलबोर्ड लगे हैं। ऐसे हालात के बावजूद ईरान समझौते को लेकर जिद और खोखला अहंकार दिखा रहा है। अद्भुत और आश्चर्य...! उसे सोचना चाहिए कि युद्ध के कारण दुनिया में आर्थिक मंदी, ऊर्जा और खाद्य-संकट के हालात बन रहे हैं। हैरानी की बात है कि ईरान का एक तबका सड़कों पर, विदेश मंत्रालय के दफ्तर के सामने, विरोध-प्रदर्शन पर उतर आया है। ये सामूहिक नारे भी लगा रहे हैं कि समझौते के पैरोकारों-विदेश मंत्री अराग्ची और संसद स्पीकर कालीबाफ- को 'मौत' दी जाए। उन्होंने अमरीका के सामने सरेंडर किया है! ऐसा आभास होता है कि ईरान के कट्टरपंथी चेहरे फिलहाल युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर नहीं हैं, लिहाजा वे ऐसे विरोध-प्रदर्शनों को भड़का रहे हैं! बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप अपने जन्मदिन का तोहफा तो नहीं ले सके, क्योंकि ईरान समझौते की तारीख को अभी खारिज कर रहा है। अब नई तारीख 19 जून सामने आई है। खबर है कि उस दिन स्विट्जरलैंड में डील पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। वैसे इसी दौरान प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'रॉयटर्स' ने ईरान के वरिष्ठ अधिकारी के सौजन्य से समझौते के कुछ बिंदु सार्वजनिक किए हैं। मसलन-ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही परमाणु अस्त्र हासिल करने की कोशिश करेगा। ईरान धीरे-धीरे सर्वोच्च यूरेनियम को कम करेगा। होर्मुज को खोला जाएगा, लेकिन अमरीका को पहले सैन्य नाकेबंदी हटानी होगी। अमरीका कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा, बल्कि ईरान को कच्चा तेल निर्यात करने की छूट देगा। रॉयटर्स का यह भी दावा है कि अमरीका ईरान की 24-25 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों को जारी करेगा। समझौता होने के बाद 60 दिनों के अंतराल में अमरीका और ईरान आपस में बातचीत करेंगे और विवादों को आसान करने की कोशिश करेंगे। आश्चर्य है कि जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर 28 फरवरी, 2026 को ईरान पर हमला किया था और युद्ध थोपा था, उस इजरायल को समझौते और संवाद की प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। हालांकि ईरान की प्रमुख मांग रही है कि लेबनान और गाजा में इजरायली हमले बंद कराए जाएं, लेकिन लगता है कि इजरायल ने अमरीका की बात माननी भी बंद कर दी है। बहरहाल यह समझौता अमरीका और शेष विश्व के हित में भी है, क्योंकि युद्ध में अमरीका का भी 2.4-3.3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है। उसके लड़ाकू विमान, वायु रक्षा प्रणालियां, रडार, ड्रोन आदि भी ईरान ने तबाह किए हैं। खाड़ी देशों में अमरीका के सैन्य बेस भी विनष्ट किए गए हैं, लिहाजा अमरीका की 'सुपर पॉवर' वाली छवि सवालिया हुई है।

बेशक वह 'सुपर पॉवर' अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, लेकिन मानसिकता से वह एक शातिर, मुनाफाखोर व्यापारी हैं, वैश्विक आक्रांता हैं, कब्जेबाज हैं, सनकी और अस्थिर भी हैं तथा दुनिया को उपनिवेश मानने वाले नेता हैं। चूंकि अब ईरान युद्ध पर समझौते के आसार बार-बार उभर रहे हैं, लिहाजा माना जा सकता है कि युद्ध समाप्ति की ओर है। यह स्थिति करीब 110 दिन के बाद लग रही है। राष्ट्रपतिट्रंप का अहंकार, उनकी अकड़ समझ में आती है, क्योंकि वह किसी भी देश को मिट्टी-मलबे में तब्दील करने की सामरिक ताकत रखते हैं। ईरान का अधिकांश हिस्सा खंडहर हो चुका है। सरकारी ही सही, सार्वजनिक आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि युद्ध के दौरान ईरान में 3636 मौतें हो चुकी हैं, करीब 26,500 घायल हुए हैं, ईरान के 155 नौसेना जहाज और हजारों ड्रोन अमरीकी सेना ने तबाह कर दिए हैं, हजारों मिसाइल हमलों में खर्च हो चुकी हैं, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40-45 शीर्ष नेता और मंत्री, विभिन्न कमांडर, सलाहकार आदि एक ही हमले में मार दिए गए थे।

प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

उमेश चतुर्वेदी

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं। इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे। देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी रप्राइम मिनिस्टररु या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए 'ऑफिस ऑफ मिनिस्टर' यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने 'नियति से साक्षात्कार' वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था। मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है। रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था।

देश | दुनीया से

प्राकृतिक धरोहर पर मंडराते खतरे

हिमाचल को प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा पर्यावरणीय विविधताओं के लिए देशभर में विशेष पहचान प्राप्त है। हिमालय की गोद में बसा यह पर्वतीय प्रदेश अपनी मनोहारी वादियों, बर्फ से लदे पर्वतों, घने वनों, निर्मल नदियों और शांत वातावरण के कारण विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। प्रदेश की भौगोलिक संरचना अत्यंत विविधतापूर्ण है, जिसके कारण यहां विभिन्न प्रकार की जलवायु देखने को मिलती है। ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जैसे क्षेत्र अपेक्षाकृत गर्म जलवायु वाले हैं, जबकि शिमला, कुल्लू और किन्नौर जैसे क्षेत्र शीतल एवं समशीतोष्ण जलवायु के लिए प्रसिद्ध हैं। दूसरी ओर लाहौल-स्पीति अपनी शीत मरुस्थलीय जलवायु के कारण विशेष पहचान रखता है। यही विविधता हिमाचल प्रदेश को कृषि, बागवानी और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध बनाती है। लेकिन वर्तमान समय में यह प्राकृतिक धरोहर अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनका प्रभाव प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिक जीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विगत कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चिंता का विषय बनकर उभरा है। इस वैश्विक समस्या से हिमाचल प्रदेश भी अछूता नहीं रहता। प्रदेश में तापमान में वृद्धि, मौसम चक्र में अनिश्चितता तथा वर्षा और बर्फबारी के स्वरूप में परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पहले जहां सर्दियों में समय पर और पर्याप्त मात्रा में बर्फबारी होती थी, वहीं अब बर्फबारी देर से होती है या कई बार सामान्य से बहुत कम होती है। इसी प्रकार वर्षा का वितरण भी असंतुलित हो गया है। कभी अत्यधिक वर्षा होती है तो कभी लंबे समय तक वर्षा का अभाव बना रहता है। मौसम के इस असंतुलन ने प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव कहीं न कहीं प्रदेश की बागवानी पर पड़ता दिखता है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सेब उत्पादन का महत्वपूर्ण स्थान है और लाखों परिवार

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हुए हैं। सेब की खेती के लिए पर्याप्त शीतकालीन तापमान और निश्चित संख्या में चिलिंग आवर आवश्यक होते हैं, लेकिन बढ़ते तापमान और कम होती बर्फबारी के कारण यह आवश्यकता पूरी नहीं हो पा रही है। परिणामस्वरूप सेब उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। इसके अतिरिक्त असमय ओलावृष्टि किसानों के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। कई बार ओले इतने बड़े और भारी होते हैं कि बागानों की सुरक्षा के लिए लगाए गए एंटी हेल नेट भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और पूरी फसल नष्ट हो जाती है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है तथा उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, प्रदेश में बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं भी पर्यावरणीय असंतुलन का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में एकाएक वृद्धि हुई है तथा अनेक क्षेत्रों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। शिमला में समरहिल के शिव बावड़ी मंदिर हादसा किसी से छिपा नहीं, जहां अत्यधिक वर्षा और भूस्खलन के कारण अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसी प्रकार श्रीखंड महादेव यात्रा मार्ग के समीप बादल फटने की घटनाओं ने कुल्लू जिले के बागीपुल और समेज क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई। मंडी, सिराज, कुल्लू और मनाली सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में आई बाढ़ और भूस्खलन ने सड़कों, पुलों, घरों और सार्वजनिक संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचाया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है और प्राकृतिक संतुलन में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। इन आपदाओं के पीछे केवल प्राकृतिक कारण ही नहीं बल्कि मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेवार हैं। प्रदेश में विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई, सडक़ निर्माण, भवन निर्माण तथा अन्य आधारभूत परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। यद्यपि विकास किसी भी राज्य की आवश्यकता होती है, लेकिन जब विकास पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी करके किया जाता है तो उसके दुष्परिणाम सामने आने लाजिमी हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में अंधाधुंध कटान और अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण भूमि की स्थिरता कमजोर हो जाती है, जिससे भूस्खलन और भू-क्षरण की घटनाएं बढ़ती हैं। अनेक स्थानों पर नदियों और नालों के किनारे निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित होता है और भारी वर्षा के समय बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। इसके अलावा प्रदेश में बढ़ता प्रदूषण भी चिंता का विषय है। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि और वाहनों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी के कारण वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। शिमला, मनाली और धर्मशाला जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सीजन के दौरान यातायात का अत्यधिक दबाव देखा जाता है। वाहनों से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित करता है तथा कार्बन उत्सर्जन को भी बढ़ाता है। वहीं प्लास्टिक कचरा और ठोस अपशिष्ट भी पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

आप का | नजरीया

नड्डा के डायलॉग

भाजपा के फलक से जैसे उदासी छीन ली गई हो और पल भर के लिए अगली सत्ता के सपनों में शहजादे सामने आ गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के एक डायलॉग ने भाजपा नेताओं की कायनात बदल दी। बतौर नड्डा वह पहले हिमाचली, फिर दिल्ली रह कर काम करने के इच्छुक, इसलिए आने वाले मसलों के प्रति जवाबदेही में भविष्य जयराम ठाकुर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर देखेगा। यहीं नड्डा ने ऐसा तीर छोड़ा कि भाजपा की जमात और जुबान हिल गई। मसले बड़े मगर जवाब छोटे निकले, तेरी चौपाल पे आके सारे बेहाल निकले। यहां गजब की सौगात बर्फ की सिल्लियों पर रखी मिली, निरंतरता इतनी कि सारी गर्मी पिघल गई। क्या नड्डा के डायलॉग से भाजपा की सारी बर्फ पिघल जाएगी या बड़े नेताओं की बस्ती में हवाओं के खिलाफ बस यही चिराग जलेगा। जाहिर है नेता प्रतिपक्ष के अधिमान में जयराम का रुतबा इस समय सब पर भारी है और यह भी कि जगत प्रकाश नड्डा अगर हिमाचल में अपनी मौजूदगी घटा रहे हैं, तो सारी जवाबदेही फिलवक्त जयराम के पाले में डाली जा रही है। हिमाचल के लिए भाजपा के सारे फैसले अगर जयराम ठाकुर ही लेंगे, तो इस बोल जगत की पैरवी का अर्थ इस शख्स की उपस्थिति को परवान चढ़ाता है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि एक डायलॉग से बाकी बची महत्त्वाकांक्षा क्षीण हो जाएगी या एक ही झटके में विभिन्न धड़ों की ख्वाहिशें धराशायी हो जाएंगी। फिर कौरव आएंगे पांडवों के सामने, फिर मशाल जलेगी और घोड़े चारों तरफ दायरा बढ़ाएंगे। अब यह राजनीति को चुनना है कि उसे रामलीला करनी है या कुरुक्षेत्र में महाभारत का अलख जगाना है। नड्डा ने आरोपों की धुरी में अपनी ध्वनि को कांग्रेस सरकार की ओर घुमाए रखा, लेकिन पंद्रह सौ करोड़ की आपदा राहत पर न खामोशियां टूटीं और न ही दिल्ली में रचने बसने का फर्ज सामने आया। हिमाचल के कुछ सवाल हैं जो केंद्र से हिमाचली नेताओं का रसूख पूछते हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार इधर खून के घूंट पीकर आरडीजी का विवरण देती है, तो यह गया, वो गया की कहावत में केंद्र को वित्तीय प्रोत्साहन और संघीय ढांचे की बुनियाद पर कोसते हैं। अब कर्मचारियों के हिसाब में ओपीएस जोड़कर सुक्खू सरकार ने गारंटियों की जितनी लाज बचाई, उतनी ही दूरी पर खड़ी भाजपा की केंद्र सरकार के दूत यह बता रहे कि एनपीएस से कहीं आगे उनके शासन में यूपीएस पद्धति का सिंहासन आएगा। यह एक टर्निंग प्वाइंट है, जहां वर्तमान सरकार की दरियादिली से निकली ओपीएस के सामने यूपीएस के रोशन दान लटक रहे हैं। यहां कांग्रेस की ओर से शिक्षा और तकनीकी शिक्षा मंत्रियों रोहित ठाकुर और राजेश धर्माणी ने बयानबाजी की आंच से जगत प्रकाश नड्डा से तथ्यों पर ठोस उपलब्धियों के कारनामे पूछे हैं। जाहिर तौर पर हिमाचल की आर्थिकी में कई शून्य तैर रहे हैं और इनकी एक वजह केंद्र सरकार के रवैये और संघीय अधिकारों पर बिछी हुई खामोशी है। राजस्व घाटा अनुदान की शून्यता में नड्डा का राग दरबारी यहां उलझ जाता है, क्योंकि आर्थिक दरिद्रता में फंसे राज्य की परवरिश में केंद्र का रवैया बिलकुल प्रतिकूल है, लेकिन जनता अर्थ तंत्र नहीं जानती, वह सडक़ पर गड्ढे, सरकारी बसों की गति पर विराजित बाधाएं, विभिन्न योजनाओं पर छाई सुस्ती और विकास के रेगिस्तान पर राज्य सरकार को दोषों से मुक्त नहीं करती। बहरहाल नड्डा का प्रदेश आगमन जयराम ठाकुर के राजनीतिक सफर को कुछ मंजिलें आगे जरूर ले गया और यही संदेश देकर दिल्ली का दूत वापस लौट गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के एक डायलॉग ने भाजपा नेताओं की कायनात बदल दी। बतौर नड्डा वह पहले हिमाचली, फिर दिल्ली रह कर काम करने के इच्छुक, इसलिए आने वाले मसलों के प्रति जवाबदेही में भविष्य जयराम ठाकुर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर देखेगा। यहीं नड्डा ने ऐसा तीर छोड़ा कि भाजपा की जमात और जुबान हिल गई। मसले बड़े मगर जवाब छोटे निकले, तेरी चौपाल पे आके सारे बेहाल निकले। यहां गजब की सौगात बर्फ की सिल्लियों पर रखी मिली, निरंतरता इतनी कि सारी गर्मी पिघल गई। क्या नड्डा के डायलॉग से भाजपा की सारी बर्फ पिघल जाएगी या बड़े नेताओं की बस्ती में हवाओं के खिलाफ बस यही चिराग जलेगा। जाहिर है नेता प्रतिपक्ष के अधिमान में जयराम का रुतबा इस समय सब पर भारी है और यह भी कि जगत प्रकाश नड्डा अगर हिमाचल में अपनी मौजूदगी घटा रहे हैं, तो सारी जवाबदेही फिलवक्त जयराम के पाले में डाली जा रही है। हिमाचल के लिए भाजपा के सारे फैसले अगर जयराम ठाकुर ही लेंगे, तो इस बोल जगत की पैरवी का अर्थ इस शख्स की उपस्थिति को परवान चढ़ाता है। यह तो नहीं कहा जा सकता कि एक डायलॉग से बाकी बची महत्त्वाकांक्षा क्षीण हो जाएगी या एक ही झटके में विभिन्न धड़ों की ख्वाहिशें धराशायी हो जाएंगी। फिर कौरव आएंगे पांडवों के सामने, फिर मशाल जलेगी और घोड़े चारों तरफ दायरा बढ़ाएंगे।

कुछ | अलग

कॉकरोचों की धर्मनिरपेक्षता

अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष तिलचट्टानंद जी की अध्यक्षता में आयोजित अखिल अंतरराष्ट्रीय कॉकरोच पब्लिक पार्टी (एएसीपीपी) के अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में दूसरा वायदा था- भ्रष्टाचार समाप्त किया जाएगा। इस पर एक वरिष्ठ तिलचट्टा चिंतित हो उठा। उसने कहा, 'भ्रष्टाचार समाप्त हो गया तो गंदगी कहां से आएगी? और गंदगी नहीं होगी तो हमारा पारंपरिक रोजगार नष्ट हो जाएगा।' बहस के बाद प्रस्ताव संशोधित किया गया- 'भ्रष्टाचार समाप्त नहीं किया जाएगा, उसका न्यायपूर्ण वितरण किया जाएगा। इसके बाद किसी भी कॉकरोच को गलती करने पर इस्तीफा नहीं देना होगा। इस्तीफे केवल इनसान देते हैं। कॉकरोचों में इस्तीफे नहीं होते।' कॉकरोचों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी धर्मनिरपेक्षता है। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हिंदू रसोई में रह रहे हैं, क्रिश्चियन रसोई या मुस्लिम रसोई में। वे दलित नाली और सवर्ण नाली में समान श्रद्धा रखते हैं। वे पूंजीवादी कूड़ेदान और समाजवादी कूड़ेदान के बीच कोई भेदभाव नहीं करते। उनके लिए हर गंदगी समान है। यही कारण है कि आज तक कोई कॉकरोच सांप्रदायिक दंगे में शामिल नहीं पाया गया। मनुष्य ने जातियां बनाईं। मनुष्य ने सीमाएं बनाईं। मनुष्य ने धर्म बनाए। कॉकरोचों ने केवल दरारें खोजीं। और सच कहें तो दरारों का उनका ज्ञान मनुष्य के इतिहास-ज्ञान से कहीं अधिक उपयोगी सिद्ध हुआ। कॉकरोचों की एक और विचित्र विशेषता है। उनका सिर काट दीजिए, वे कुछ दिन और जीवित रहते हैं। यह तथ्य सुनकर मुझे अनेक संस्थाओं की याद आती है। कुछ संस्थाओं का विवेक वर्षों पहले काट दिया गया, फिर भी वे आराम से चल रही हैं।

दृष्टि | कोण

घुसपैठ का निदान है जरूरी

हाल ही में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) की एक प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके अंतर्गत अभी तक कई राज्यों में चुनाव से पूर्व इस प्रक्रिया के माध्यम से किसी विदेशी के मतदाता सूची में गलती से शामिल होने, मृत वोटरों के मतदाता सूची से नाम न हटने, किसी वोटर के एक स्थान से ज्यादा स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने और बार-बार पलायन के कारण मतदाता सूची की कमियों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। स्वाभाविक तौर पर विदेशियों के नाम मतदाता सूची में होने की स्थिति में, एसआईआर प्रक्रिया के कारण उनके नाम स्वयंमेव कट जाते हैं, क्योंकि वे अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते। गौरतलब है कि एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से उत्तर प्रदेश से 2.9 करोड़, पश्चिम बंगाल से 91 लाख, तमिलनाडु से लगभग 1 करोड़, गुजरात से 68.78 लाख, राजस्थान से 1.7 करोड़, मध्य प्रदेश से 1.7 करोड़, केरल से 1.7 करोड़, छत्तीसगढ़ से 1.7 करोड़, गोवा से 1.7 करोड़ वोट मतदाता सूची से हटाए गए हैं। कुल मिलाकर 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 6.5 करोड़ लोगों को मतदाता सूची से हटाने की सिफारिश हुई और अंत में आपत्तियों के बाद 12 राज्यों और 3 केन्द्रशासित प्रदेशों में कुल मिलाकर 5.2 करोड़ वोटरों को मतदाता सूची से हटाया गया है। हालांकि विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया की पुरजोर खिलाफत हुई, लेकिन अंततोगत्वा सर्वोच्च न्यायालय ने एसआईआर प्रक्रिया को संवैधानिक ठहराते हुए विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया है। यानी एसआईआर प्रक्रिया पर अब न्यायालय की भी मुहर लग गई है। यह बात सही है कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से नाम हटने के कई अन्य कारण हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को भी इस प्रक्रिया के अंतर्गत मतदाता सूची से बाहर करने का काम किया गया। एसआईआर के माध्यम से हालांकि बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने का काम तो हुआ है, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को देश से

बाहर करने का महत्वपूर्ण कार्य अभी बाकी है। पिछले लंबे समय से भारत के विभिन्न भागों में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया में कहीं भी अवैध विदेशी घुसपैठ को अनुमति नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जाता रहा है। गौरतलब है कि अमरीका और यूरोप जैसे विकसित देश अवैध घुसपैठ के खिलाफ न केवल कड़े कानून बना रहे हैं, बल्कि अवैध घुसपैठ से सख्ती से निपटने का प्रयास भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सामान्यतः बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ में एक विशेष वर्ग का बहुतायत है, इसलिए इस मुद्दे पर धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भी लगातार राजनीति होती रही है। यह घुसपैठ उन राज्यों में ज्यादा पनपती है, जहां सत्ताधारी पार्टी इस घुसपैठ को वोट बैंक राजनीति के रूप में इस्तेमाल करती है। हाल ही में भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने अवैध घुसपैठ के मामले और जनसांख्यिकी बदलाव (डेमोग्राफिक चेंज) पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। इसके पीछे की पृष्ठभूमि यह मानी जा रही है कि बांग्लादेश के साथ सांझी सीमा होने और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों को प्रश्रय देने के कारण पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या ने विकराल रूप धारण किया हुआ है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का शासन स्थापित होने के तुरंत बाद इस समिति के गठन के बाद यह स्पष्ट है कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अब सरकार सख्त रुख अपनाने वाली है।

मोदी सरकार की योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया : भागीरथ चौधरी

मुरादाबाद (हिंस)। केंद्र सरकार में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने मंगलवार को जनपद मुरादाबाद में *12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के* थीम के साथ पंचायत भवन परिसर में आयोजित विभिन्न विभागों के स्टॉल एवं प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन व अवलोकन किया इसके साथ ही विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित भी किया। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मंगलवार को मुरादाबाद में संविधान पार्क में स्वच्छता अभियान व माल्यार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेकर, हनुमान वाटिका में वृक्षारोपण किया और रामगंगा विहार स्थित मोती महल में निर्यातकों व उद्यमियों से संवाद किया। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने सरकार का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्र सरकार की नीतियां गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35 ए से हटाकर अपना वादा पूरा किया। आज देश में 81 करोड़ से अधिक जनता को मुफ्त अनाज मिल रहा है। 11 करोड़ से अधिक किसान सम्मान निधि वितरित हो रही है। 25 करोड़ से अधिक जनता गरीबी से बाहर निकली है। इसके अलावा तीन तलाक से छुटकारा दिलाने का काम केंद्र सरकार ने किया। केंद्रीय राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने आगे कहा कि प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और पशुपालन आधारित कृषि प्रणाली भारतीय कृषि को अधिक टिकाऊ, लाभकारी एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक प्रभावी पहलें की गई हैं। उन्होंने किसानों से संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाने और वैज्ञानिक सलाह के आधार पर खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि *स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत* के संकल्प को साकार करने में खेत बचाओ अभियान एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता अभियान है। कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन और किसानों की सक्रिय भागीदारी से खेती को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और भविष्य के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल व महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने संयुक्त रूप से की और संचालन महानगर महामंत्री विशाल त्यागी ने किया।

राम मंदिर पर राजनीति कर रहा विपक्ष दोषियों पर होगी कार्रवाई : अनुराग ठाकुर

कानपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कानपुर पहुंचे। उन्होंने विपक्ष और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया है और आज भी मंदिर के मुद्दे पर केवल राजनीति करने का प्रयास कर रहा है। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े विवाद पर उन्होंने कहा कि मामले की जांच की एसआईटी कर रही है और जांच पूरी होने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानपुर पहुंचने पर अनुराग ठाकुर का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। सबसे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आवास पहुंच कर उनसे मुलाकात की। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने परमट स्थित मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। फिर बाबा आनंदेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि वहां वर्षों तक भय और भ्रष्टाचार का माहौल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में गुंडाराज को बढ़ावा मिला लेकिन अब भ्रष्टाचार और अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के विकास के लिए सकारात्मक माहौल बन रहा है और जनता बदलाव चाहती है। राम मंदिर से जुड़े आर्थिक विवाद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट की ओर से मामले की जांच की मांग की गई थी। उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की है। जांच निष्पक्ष तरीके से चल रही है। सच सामने आने के बाद जिम्मेदार लोगों पर कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक राम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, वे आज भी इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं।

पंजाब सरकार का फैसला, ग्रुप सी व डी की महिला कर्मचारियों को घर से 40 किमी. के दायरे में ही मिलेगी तैनाती

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब भर की महिला सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को घोषणा की कि ग्रुप सी और डी श्रेणियों से संबंधित महिला कर्मचारियों को उनका परखकाल पूरा होने के बाद उनके घरों से अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में ही तैनात किया जाएगा। इनमें स्टाफ नर्सें, महिला पुलिस कर्मी और अन्य पात्र महिलाएं हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि *आप* सरकार कर्मचारियों, महिलाओं, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से राज्य भर के विभिन्न विभागों में कार्यरत हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ होगा। मान ने कहा कि उन्होंने पहले ही अधिकारियों को इस पहल को लागू करने के लिए आवश्यक ढांचा तैयार करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि हजारों महिला कर्मचारियों, विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत स्टाफ नर्सों, अध्यापकों और महिला पुलिस कर्मियों को इस पहल का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से कई महिला कर्मचारियों से बातचीत की है, जिन्होंने मुझे बताया कि उनकी तैनाती उनके घरों से लगभग 200 किलोमीटर दूर की गई है। इसके कारण वे सप्ताह में केवल दो दिन ही अपने परिवारों से मिल पाती हैं और उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए हमारी सरकार ने ऐसी नीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसके तहत ग्रुप सी और डी श्रेणियों से संबंधित महिला कर्मचारियों, जिनमें स्टाफ नर्सें, अध्यापक और महिला पुलिस कर्मी शामिल हैं, को परख काल पूरा होने के बाद उनके घरों से अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि महिला कर्मचारी आधिकारिक फॉर्म भरते समय अपने मायके या ससुराल का पता दे सकेंगी। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वे लगभग एक घंटे के भीतर अपने परिवार तक पहुंच सकें, क्योंकि एक खुश कर्मचारी हमेशा बेहतर प्रदर्शन करता है। 40 किलोमीटर केवल ऊपरी सीमा है और ये तैनातियां इससे भी कम दूरी, जैसे 15 या 20 किलोमीटर के भीतर भी हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री समेत कैबिनेट को अकाल तख्त के तलब करने पर पंजाब की राजनीति गरमाई

चंडीगढ़(हिंस)। अकाल तख्त साहिब की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री तथा समूची कैबिनेट को तलब किए जाने के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को उनके नाम से जोड़े जा रहे एक वीडियो को सिरे से नकारते हुए कहा कि शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल के इशारे पर उन्हें बदनाम करने और उनकी सरकार के लोक-हितैषी फैसलों से ध्यान हटाने के लिए घृणित हरकत और राजनीतिक साजिश रची जा रही है। इस घटना को सरकार के सख्त बेअदबी विरोधी कानून और पंजाब-पक्षी फैसलों से घबराकर की गई बौखलाहट भरी कोशिश बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके खिलाफ झूठा प्रचार करने के लिए राजनीतिक प्रभाव के अधीन काम कर रहे अधिकारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वे श्री अकाल तख्त साहिब को सर्वोच्च मानते हैं और सम्मान के साथ इसकी आस्था के आगे पूरी नम्रता से सिर झुकाते हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिशों की परवाह किए बिना वे पंजाब के *पानी, जवानी, किसानी और बाणी* के हित में दलेराना फैसले लेते रहेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान खुलेआम अकाली दल के प्रचारक बन गए हैं। अब तो सिर्फ यही कसर बाकी रह गई है कि जत्थेदार साहिब के जरिए यह फरमान जारी करवा दिया जाए कि सुखबीर बादल को वोट दो, नहीं तो पंथ खतरे में है। ऐसा फैसला किसी भी वक्त लिया जा सकता है। एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दुनिया भर के पंजाबियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने जत्थेदार साहिब के सामने साफ कर दिया था कि वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति मैं नहीं हूं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वीडियो में दिखाए गए व्यक्ति की न तो शारीरिक बनावट और न ही चेहरा मेरे साथ मेल खाता है, फिर भी मेरे अक्स को खराब करने के लिए झूठा और गुमराहपूर्ण प्रचार किया जा रहा है। इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे हैरानी होती है कि इतनी ऊंची धार्मिक पदवियों पर बैठे लोग खुद को राजनीतिक एजेंडे और झूठे प्रचार का हथियार बना रहे हैं। कुछ लोग पंजाब के पानी, जवानी, किसानी और बाणी की रक्षा के लिए मेरी सरकार के ऐतिहासिक फैसलों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे राजनीतिक तौर पर निशाना बनाने के लिए धर्म का दुरुपयोग किया जा रहा है। ऐसी कोशिशें पूरी तरह निंदनीय और असहनीय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कोई जानता है कि इन संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियां और फैसले कैसे होते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सिख संगत इस बात से भली-भांति वाकिफ है कि कैसे राजनीतिक तौर पर नियुक्त कुछ पदाधिकारी बाहरी प्रभाव के अधीन फैसले लेते हैं। मैं इस वीडियो को और ऐसे झूठे आरोपों के जरिए मुझे बदनाम करने की कोशिशों को सिरे से नकारता हूं।

पार्वती नदी में डूबने से चार की मौत

बारां (हिंस)। जिले के छबड़ा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर पार्वती नदी में नहाने गए चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में एक मां-बेटा और दो सगे भाई शामिल हैं। सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए छबड़ा के गूगौर गांव आए हुए थे। छबड़ा थाना प्रभारी राजेश खटाना ने बताया कि मृतकों की पहचान गुड्डी बाई (45) पत्नी रशीद खां और उनके पुत्र सलाम (22) निवासी छीपाबड़ौद, तथा अरमान (17) पुत्र बंटी गौरी और उसके भाई युनुस खान (18) निवासी गुना, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, नहाने के दौरान एक युवक का पैर नदी में पड़े मछली पकड़ने के जाल में फंस गया, जिससे वह डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी गहरे पानी में चले गए और चारों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर स्थानीय गोताखोर निरंजन खारोल की मदद से सभी को नदी से बाहर निकालकर छबड़ा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मोदी सरकार ने नक्सलिज्म और जिहादी टेररिज्म से देश को मुक्ति दिलाई : तेजस्वी सूर्या

जोधपुर (हिंस)। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के 12 साल पूरे होने पर कहा कि पहली बार भारत के इतिहास में किसी सरकार ने शानदार काम किया है तो वह मोदी सरकार है। विशेषकर नक्सलिज्म और जिहादी टेररिज्म से देश को मुक्त किया है। एयरपोर्ट पर मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मोबाइल फोन निर्माण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक दशक पहले अधिकांश मोबाइल विदेशों से आयात किए जाते थे, जबकि आज भारत में बड़े पैमाने पर उनका निर्माण और असेंबलिंग हो रही है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य-पूर्व में तनाव जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। मोदी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार, कृषि विकास और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। छात्रसंघ चुनावों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्र नेताओं और युवाओं से संवाद कर उचित समय पर उचित निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार युवाओं को राजनीति, शिक्षा, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश में लगातार विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि रीट और सब-इंस्पेक्टर भर्ती सहित कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ भाजपा ने आंदोलन किए थे। भाजपा सरकार बनने के बाद 400 से अधिक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है तथा अब तक किसी नए पेपर लीक का आरोप सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी तकनीक आधारित मजबूत व्यवस्था विकसित कर रही है, जिससे भविष्य में देशभर में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्णत: अंकुश लगाया जा सके। एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल का प्रदर्शन संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए। लोकतंत्र में हिंसा और मारपीट जैसी घटनाएं उचित नहीं हैं तथा सभी राजनीतिक गतिविधियां कानून और संविधान के दायरे में रहकर होनी चाहिए।

आईआईटी जोधपुर का नया शोध अब कैंसर मरीजों के लिए डॉक्टरों को सही दवा चुनने में मिलेगी मदद

जोधपुर (हिंस)। व्यक्तिगत (पर्सनलाइज्ड) कैंसर उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के शोधकर्ताओं ने ऐसे नई पीढ़ी के प्रेडिक्टिव बायोमार्कर्स विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब डॉक्टर यह अनुमान लगाने में सक्षम होंगे कि कौन-से कैंसर मरीज कीमोथेरेपी या अन्य कैंसर-रोधी उपचारों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर सकते हैं। इस शोध से चिकित्सकों को उपचार शुरू होने से पहले ही सही मरीज के लिए सही दवा चुनने में मदद मिलेगी। भारत में हर वर्ष लगभग 5.9 लाख से अधिक लोगों की कैंसर से मृत्यु होती है। आधुनिक उपचार पद्धतियों के बावजूद बड़ी संख्या में मरीज उपचार के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेते हैं, जिससे उपचार की प्रभावशीलता कम हो जाती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिक कैंसर बायोलॉजी, प्रिसीजन मेडिसिन और ट्रांसलेशनल थेरेप्यूटिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान कर रहे हैं। इस शोध का नेतृत्व आईआईटी जोधपुर के बायोसाइंस एवं बायोइंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट लेबोरेटरी के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार अहिरवार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शोध का उद्देश्य यह समझना है कि कुछ मरीज उपचार का बेहतर लाभ क्यों प्राप्त करते हैं जबकि अन्य मरीजों में उपचार प्रभावी नहीं होता। उपचार प्रतिरोध के पीछे कार्यरत आणविक और कोशिकीय तंत्रों की पहचान कर चिकित्सकों को बेहतर उपचार निर्णय लेने में सहायता प्रदान की जा सकेगी।

अमेरिका में नीलाम हुआ विरासती फर्नीचर पंजाब विधानसभा स्पीकर ने मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने अमेरिका में एमएलए हॉस्टल के विरासती फर्नीचर की नीलामी संबंधी चंडीगढ़ प्रशासन से कस्टडी रिपोर्ट मांगी है। इस संबंध में केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ प्रशासन के संबंधित अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस फर्नीचर की कस्टडी किसके पास थी, क्योंकि विरासती फर्नीचर पंजाब, हरियाणा सरकारों तथा यूटी चंडीगढ़ की विभिन्न अथॉरिटियों की कस्टडी के अधीन आता है और यूटी प्रशासन द्वारा ऐसे फर्नीचर की सूची का रिकॉर्ड रखा जाता है। इस मामले का गंभीर नोटिस लेते हुए स्पीकर संधवां ने कहा कि दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा इस अपराध को अंजाम देने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी। स्पीकर ने कहा कि ऐसी लापरवाही को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जो चंडीगढ़ की विशिष्ट वास्तुकला एवं ऐतिहासिक विरासत को नुकसान पहुंचाए।

क्रेस्ट घोटाला : सीबीआई ने दाखिल की पहली चार्जशीट, 13 को आरोपी बनाया

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी (क्रेस्ट) से जुड़े घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। सीबीआई ने मंगलवार को विशेष सीबीआई अदालत में दाखिल चार्जशीट में 13 लोगों को आरोपी बनाया है। सीबीआई के अनुसार, मामला क्रेस्ट के बैंक खातों से 75.34 करोड़ रुपए की कथित हेराफेरी से जुड़ा है। जांच एजेंसी का दावा है कि बैंक अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों की मिलीभगत से सरकारी धन को सुनियोजित तरीके से बाहर निकाला गया और बाद में विभिन्न माध्यमों से उसका उपयोग किया गया। सीबीआई ने अपनी पहली चार्जशीट में कुल 13 आरोपियों को नामजद किया है। इनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पांच अधिकारी, क्रेस्ट के दो सरकारी अधिकारी, दो शेल कंपनियां और चार निजी व्यक्ति शामिल हैं। जांच एजेंसी ने सभी आरोपियों पर आपराधिक षड्यंत्र, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, साक्ष्य नष्ट करने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में आरोप लगाए हैं। सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। जांच के अनुसार सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के लिए रखी गई राशि बैंक खातों से निकालकर कथित तौर पर दूसरे खातों में ट्रांसफर की गई। सीबीआई का दावा है कि इस प्रक्रिया में बैंकिंग सिस्टम के भीतर मौजूद कुछ लोगों और सरकारी अधिकारियों की भूमिका रही।

दूसरे दलों ने ओबीसी समाज का चुनावी स्वार्थ के लिए किया उपयोग : मायावती

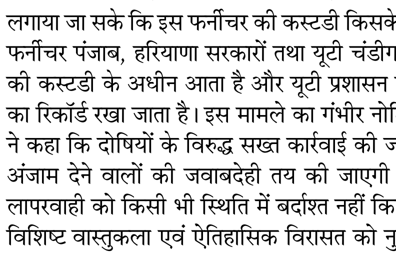

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को पार्टी की बैठक की। बैठक के बाद जारी एक बयान में मायावती को आयरन लेडी बताते हुए बसपा ने अन्य दलों पर राजनीति स्वार्थ के लिए पिछड़ा वर्ग (ओबीसी समाज) के उपयोग करने का आरोप लगाया। मायावती ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी समाज) का हित और कल्याण बसपा की आयरन लेडी सरकार में ही निहित है जबकि अन्य दूसरी पार्टी में नहीं है। विरोधी पार्टियों के भीतर व उनकी सरकारों में भी राजनीतिकि और चुनावी स्वार्थ के तहत व्यकितगत तौर पर किसी को बढ़ाया जा सकता है, लेकिन ओबीसी समाज की राजनितिक, आर्थिक विकास और उन्नति के लिए इन पार्टियों का रवैया ज्यादातार संकीर्ण रहा है। उन्होंने शिक्षा और नौकरियों में मिलने वाली 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को कमजोर करने का मुद्दा उठाया है। जबकि बसपा की सरकार में ओबीसी समाज को भागीदारी दी थी। साथ ही पूरे आत्मसम्मान के साथ जीने हक दिया गया। उन्होंने कहा कि बसपा ने सदियों से यहां उपेक्षित समाज के महापुरुषों को पूरा सम्मान देकर सामाजिक परिवर्तन और अर्थिक मुक्ति को मजबूत आधार देने का प्रयास किया, जबकि विरोधी पार्टियों की सरकारों में इसको शून्य करने का अनुचित प्रयास किया गया। मायावती ने बताया कि दलित और ओबीसी वर्ग के सभी लोगों का सही से सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक विकास के लिए देश में पहली बार बसपा सरकार ने अलग-अलग मंत्रालय, मंत्री, आयोग और विशेष विकास योजनाएं बनाईं। जबकि दूसरी पार्टियों की सरकारों में अब यह सब काम सिर्फ कागज पर नाम के रहे गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारों की नीयत और नीति में ईमानदारी नहीं है, बल्कि खोट ज्याद लगती है। इसकी वजह से ओबीसी समाज की हालत सुधर नहीं पा रही है। किंतु रोना रोते रहना समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि असली हल सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में लेने की ललक पैदा करके बसपा के जरिए शोषित से शासक वर्ग बनना है।

री-नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के लिए जयपुर जिला प्रशासन की व्यापक तैयारियां

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित री-नीट (यूजी) 2026 परीक्षा 21 जून को जयपुर जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5-15 बजे तक होगी। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित वितरण और संग्रहण की समुचित व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर मेडिकल स्टाफ, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) तथा ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस सहित अन्य चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। अभ्यर्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए रोडवेज, रेलवे, जेसीटीएसएल और जयपुर मेट्रो को पर्याप्त परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण एवं समन्वय के लिए सिटी को-ऑर्डिनेटर द्वारा सभी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जाएगी। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को परीक्षा से संबंधित भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों तथा नकल जैसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आवश्यक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करते हुए परीक्षा के शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित संचालन के लिए समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

युद्ध ने तोड़ी बुनकरों की कमर, रोजी रोटी का संकट गहराया

भागलपुर (हिंस)। पहले से बदहाल भागलपुर का सिल्क उद्योग अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से और भी बदहाल हो गया है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और युद्ध के हालातों ने भागलपुर के सिल्क उद्योग की कमर तोड़ दी है, जिससे बुनकरों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की भारी किल्लत और निर्यात ठप होने के कारण लगभग पच्चीस करोड़ रुपए तक के ऑर्डर रद्द हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि भागलपुर, जिसे भारत की *सिल्क सिटी* के रूप में जाना जाता है, पर इस संकट का सीधा असर पड़ा है। इस संकट के कारण ऑर्डर और निर्यात में भारी गिरावट आई है। अमेरिका और खाड़ी देशों को जाने वाले सिल्क के कपड़ों के बड़े कंसाइनमेंट लटक गए हैं या रद्द हो चुके हैं। युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण समुद्री मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिससे धागे और केमिकल रंगों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। उत्पादन लागत बढ़ने और बाजार में खरीदार न होने के कारण बुनकरों की आमदनी शून्य हो गई है। कई लूम (करघे) बंद हो चुके हैं और कारीगर भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। कोरोना महामारी के बाद से ही यहां का उद्योग उबरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इस वैश्विक तनाव ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर का सिल्क विश्व विख्यात है। ऐसे में यहां से सिल्क देश के बाजारों में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जाता है। सबसे खास बात यहां का कपड़ा सबसे अधिक अमेरिका और खाड़ी देशों में जाता है। लेकिन युद्ध ने बुनकरों की कमर तोड़ दी है। अब्दुल कय्यूम बुनकर मंच के अध्यक्ष हसनैन अंसारी ने बताया कि कोरोना के बाद से ही बुनकरों की स्थिति दयनीय हो गई थी। बीच में अलग-अलग देशों में हुए युद्ध ने यहां के बुनकरों की स्थिति को और कमजोर कर दिया। यहां का माल बंगला देश जाता था लेकिन वहां की भी स्थिति बीच में बिगड़ी तो वहां भी माल जाना बंद हो गया। अब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के कारण करीब 25 करोड़ का ऑर्डर कैंसिल कर दिया गया। जिससे एक बार फिर लूम बंद होने के कगार पर है। उल्लेखनीय कि सिल्क की स्थिति धीरे-धीरे बदतर होती जा रही है। यहां का सबसे खास तसर सिल्क है। यहां तसर, मुंगा, कोटा, मटका, मलवरी, अरंडी समेत अन्य कई तरह के कपड़े तैयार किए जाते हैं। अब इसका अस्तित्व खत्म होता दिखाई पड़ रहा है।

गेहूं-सोयाबीन पर खाड़ी का असर, यूएस-ईरान सुलह की आहट से दामों में गिरावट

हार्मुज की उम्मीद ने बढ़ाई सप्लाई, किसानों की लागत घटने से उत्पादन बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली

आमतौर पर स्थानीय मौसम, फसल की पैदावार और मांग-आपूर्ति के समीकरण तय करते हैं कृषि जिंसों की कीमतें लेकिन इस बार गेहूं और सोयाबीन जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों के दाम हजारों किलोमीटर दूर पश्चिम एशिया की भू-राजनीति से हिल गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते और हार्मुज जलडमरूमध्य के सामान्य होने की उम्मीदों ने इन दोनों जिंसों को वैश्विक बाजारों में चार महीने के निचले स्तर पर धकेल दिया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों और व्यापारियों दोनों की नजरें अब खाड़ी क्षेत्र पर टिकी हैं।

एक रिपोर्ट बताती है कि गेहूं की कीमतें गिरकर 5.80 डालर प्रति बुशल के करीब पहुंच गई हैं, जो 10 अप्रैल के बाद का न्यूनतम स्तर है। इसके पीछे मुख्य कारण हार्मुज जलडमरूमध्य के सुचारु संचालन की संभावना है, जिससे खाद और ईंधन की आपूर्ति आसान होगी, किसानों की लागत घटेगी और अंततः उत्पादन वृद्धि से बाजार में सप्लाई का दबाव बढ़ेगा। हालांकि, यह पूरी तरह से एकतरफा नहीं है; अमेरिका में सूखे की गंभीर स्थिति ने यूएसडीए को शीतकालीन गेहूं उत्पादन अनुमान घटाने पर मजबूर किया है, और फसल की गुणवत्ता भी रिकार्ड निचले स्तर पर है, जो संभावित रूप से गिरावट को सीमित कर सकती है। सोयाबीन बाजार भी दबाव में है, जहां कीमतें 11.2 डालर प्रति बुशल से नीचे कारोबार कर रही हैं और चार महीने के निचले स्तर पर हैं। इसकी एक बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है, जिससे बायोफ्यूल की मांग कमजोर पड़ने की आशंका है, क्योंकि सोयाबीन का उपयोग इसमें होता है।

इसके अतिरिक्त, अमेरिकी मौसम का फसल के लिए अनुकूल बने रहना, दक्षिण अमेरिका (विशेषकर अर्जेंटीना, जिसका यूएसडीए अनुमान 5 करोड़ टन है) से मजबूत आपूर्ति, दुनिया के सबसे बड़े आयातक चीन की सुस्त मांग और अमेरिकी प्रोसेसिंग प्लांट्स में मरम्मत के चलते धीमी गतिविधियां, सभी मिलकर सोयाबीन की कीमतों पर चौतरफा दबाव बना रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक स्तर पर सोयाबीन की प्रचुर उपलब्धता का संकेत दे रही है। कुल मिलाकर कमोडिटी बाजार की नजरें फिलहाल अमेरिका-ईरान समझौते की प्रगति और हार्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर टिकी हैं। यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होता है और कच्चे तेल की कीमतें नरम बनी रहती हैं, तो गेहूं और सोयाबीन दोनों की कीमतों पर मौजूदा दबाव बना रह सकता है। हालांकि, मौसम संबंधी अप्रत्याशित घटनाएं या वैश्विक फसल उत्पादन में कोई बड़ा बदलाव इन जिंसों की कीमतों की दिशा को अचानक बदलने की क्षमता रखते हैं, जिससे व्यापारियों और किसानों दोनों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्र ने भारत और खाड़ी देशों के बीच गहरे समुद्र में एनर्जी पाइपलाइन से जुड़ी खबरों को किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को ख़ारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ने वाली गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन पर काम कर रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने ऐसी कई मीडिया रिपोर्ट देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत सरकार गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसे कभी-कभी मिडिल ईस्ट-इंडिया डीपवाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) कहा जाता है और यह पाइपलाइन गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ेगी। मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा कि इस समय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस प्रोजेक्ट को लेकर ओमान या किसी अन्य खाड़ी देश के साथ मंत्रालय के किसी भी स्तर पर कोई सक्रिय चर्चा या बातचीत नहीं हो रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा, कि यह स्पष्टीकरण इस मामले से जुड़ी सभी अटकलों को खत्म करने के लिए जारी किया गया है। पेटोलियम मंत्रालय ने कहा कि एलएनजी जहाज दिशा सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यह जहाज 62,370 टन द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर आ रहा है।

डीजल, एटीएफ पर विंडफाल टैक्स फिर बढ़ा, 16 जून से प्रभावी हुई नई दरें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकने के उद्देश्य से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स में वृद्धि की घोषणा की है। यह बढ़ी हुई दरें 16 जून से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को मौजूदा 13.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ के निर्यात पर यह शुल्क 9.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले 1.5 रुपये प्रति लीटर शुल्क में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर नहीं पड़ेगा। यह निर्णय भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर लिया गया है। सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बाद 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर पहली बार शुल्क लगाया था, जिसकी पखवाड़े समीक्षा की जाती रही है। विंडफाल टैक्स का प्राथमिक मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के भीतर ईंधन आपूर्ति प्रभावित न हो और निर्यातकों को बाजार की अस्थिरता का अनुचित लाभ न मिल सके।

चीन की छोटी ईवी कार शाओमा की लोकप्रियता ने खींचा ध्यान

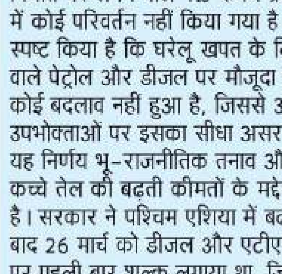

नई दिल्ली। चीन की वाहन निर्माता कंपनी बेस्ट्यून ने अपनी शाओमा नामक एक छोटी ईवी कार से ग्राहकों का काफी ध्यान खींचा है। चीन में इसकी कीमत लगभग 30 हजार से 50 हजार युआन के बीच है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 4.24 लाख रुपये से 7.07 लाख रुपये के बराबर बैठती है। यह कार अपनी बेहद किफायती कीमत और 1200 किलोमीटर तक की अविश्वसनीय रेंज के दावे के कारण सुर्खियों में है। यदि यह लंबी दूरी का दावा वास्तविक साबित होता है, तो यह इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी और उन ग्राहकों की सबसे बड़ी चिंता को दूर करेगी जो अभी तक रेंज की आशंका के कारण ईवी खरीदने से कतराते थे। शाओमा का डिजाइन आधुनिक और आकर्षक है, जिसमें बड़े चौकोर हेडलैंप और दोहरे रंग का संयोजन इसे एक अनूठा लुक देता है। अंदर सात इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट प्रणाली और डुअल-टोन डैशबोर्ड प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। यह कार हार्डटाप और कन्वर्टिबल दोनों स्वरूपों में विकसित की गई है, हालांकि वर्तमान में हार्डटाप माडल बिक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी के एफएमई प्लेटफार्म पर आधारित यह ईवी 20 किलोवाट की इलेक्ट्रिक मोटर और सुरक्षित लिथियम आयरन फास्फेट बैटरी का उपयोग करती है। सुरक्षा सुविधाओं में चालक के लिए एयरबैग शामिल है।

रेजरपे का मेगा आईपीओ जल्द, 60,000 करोड़ की वैल्यूएशन पर होगी एंट्री

गोपनीय तरीके से सेबी को सौंपा डीआरएचपी, भारतीय फिनटेक को मिलेगा नया बूस्ट

नई दिल्ली

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनियों में शुमार रेजरपे ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी दमदार दस्तक देने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। यह कदम कंपनी के लिए 5,000 करोड़ रुपये से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे लिस्टिंग के बाद इसका वैल्यूएशन 50,000 करोड़ रुपये से 60,000 करोड़ रुपये के बीच पहुंचने का अनुमान है। रेजरपे की यह रणनीतिक तैयारी कई वर्षों से चल रही थी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कदम रिवर्स फ्लिप था। भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के उद्देश्य से कंपनी ने अपनी पैरेंट एंटिटी का हेड आफिस अमेरिका से भारत शिफ्ट कर लिया था। मई 2023 में इस प्रक्रिया की शुरुआत हुई और 2025 तक यह कारपोरेट ढांचा सफलतापूर्वक भारत में स्थानांतरित हो गया, जो स्टार्टअप जगत में एक दुर्लभ और दूरगामी कदम माना जाता है। गोपनीय डीआरएचपी फाइलिंग के तहत रेजरपे अपने वित्तीय और कारोबारी विवरण सेबी को सौंप चुकी है, लेकिन यह जानकारी तुरंत सार्वजनिक नहीं की जाती। यह तरीका कंपनियों को अपने संवेदनशील व्यावसायिक आंकड़ों को प्रतिस्पर्धियों से बचाने में मदद करता है, और हाल के वर्षों में कई बड़ी कंपनियां आईपीओ लाने से पहले इसी रास्ते का इस्तेमाल कर रही हैं।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रेजरपे की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी फिनटेक कंपनी फोनपे ने बाजार में बढ़ती अस्थिरता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का हवाला देते हुए अपने आईपीओ की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी है। फोनपे लगभग 1.5 अरब डालर जुटाने और 15 अरब डालर के वैल्यूएशन पर लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन मौजूदा बाजार परिस्थितियों ने उसके प्लान पर ब्रेक लगा दिया। पीक एक्सवी पार्टनर्स, टाइगर ग्लोबल, रिबिट कैपिटल, टीसीवी, मैट्रिक्स पार्टनर्स और लाइट्सपीड वेंचर पार्टनर्स जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों का समर्थन प्राप्त रेजरपे का आईपीओ अगर सफल रहता है, तो यह भारतीय फिनटेक सेक्टर और देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल डिजिटल पेमेंट सेक्टर में निवेश और नवाचार को गति देगा, बल्कि अन्य भारतीय स्टार्टअप्स के लिए भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की नई राहें खोलेगा।

फोर्ड एस्कार्ट आरएस पांच दशक बाद फिर लौटने के लिए तैयार

नई दिल्ली। अपने जमाने की प्रतिष्ठित कारों में शुमार फोर्ड एस्कार्ट आरएस कार पुनः वापसी करने को तैयार है। यह कार करीब पांच दशक बाद एक बार फिर सड़कों पर दौडेगी। ब्रिटेन की बोरहम मोटरवर्क्स ने फोर्ड मोटर कंपनी के आधिकारिक लाइसेंस के तहत नई फोर्ड एस्कार्ट एमके1 आरएस को पेश किया है। यह वापसी आधुनिक तकनीक और क्लासिक डिजाइन का एक अनूठा संगम मानी जा रही है। कंपनी का दावा है कि यह कार पूरी तरह नए सिरे से विकसित की गई है, और यह न तो पारंपरिक रेस्टोमाड है और न ही पुराने माडल का साधारण विस्तार। नई एस्कार्ट एमके1 आरएस के निर्माण में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है, जिसमें कार्बन फाइबर, बिलेट एल्युमिनियम और उन्नत इंजीनियरिंग शामिल है। इसकी सबसे बड़ी खासियत 10,000 आरपीएम तक घूमने में सक्षम अत्यधिक शक्तिशाली इंजन का विकल्प है। बेहतर प्रदर्शन और हैंडलिंग सुनिश्चित करने के लिए, कार के पिछले हिस्से में विशेष फ्लोटिंग रियर एक्सल सिस्टम लगाया गया है, जिसमें एल्युमिनियम कास्टिंग और टाइटेनियम ट्यूबिंग का उपयोग किया गया है। इंजन विकल्पों की बात करें तो, कार में 1.8 लीटर ट्विन-कैम इंजन उपलब्ध होगा, जो लगभग 180 हार्सपावर की क्षमता प्रदान करता है। वहीं, प्रदर्शन के शौकीनों के लिए 325 हार्सपावर वाला एक दूसरा, अधिक शक्तिशाली इंजन विकल्प भी रखा गया है। बोरहम मोटरवर्क्स इस एक्सक्लूसिव माडल की केवल 150 यूनिट्स का निर्माण करेगी, जिससे इसकी विशिष्टता और भी बढ़ जाती है।

निंजा ज़ेडएक्स-10आर पर चल रहे विशेष आफर की अवधि बढाई

नई दिल्ली

बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी इंडिया ने अपनी लोकप्रिय निंजा ज़ेडएक्स-10आर पर चल रहे विशेष आफर की अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब ग्राहक 30 जून 2026 तक इस आकर्षक प्रस्ताव का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें उन्हें लगभग 2.89 लाख रुपये तक की रिकार्ड छूट मिल रही है।

इस बड़ी राहत के बाद, निंजा ज़ेडएक्स-10आर की प्रभावी एक्स-शोरूम कीमत घटकर लगभग 17.90 लाख रुपये हो गई है, जिससे यह अपने सेगमेंट में एक बेहद प्रतिस्पर्धी विकल्प बन गई है। हालांकि, कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह लाभ कितनी इकाइयों तक सीमित रहेगा, इसलिए इच्छुक ग्राहकों को जल्द से जल्द अपने नजदीकी अधिकृत विक्रेता से संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। यह शक्तिशाली सुपरबाइक दो आकर्षक रंग विकल्पों, धात्विक ग्रेफाइट धूसर और धात्विक डियाब्लो काला, तथा लाइम हरा और मोती जैसा हिमश्वेत में उपलब्ध है। इसकी ताकत 998 घन सेंटीमीटर के द्रव-शीतलित चार-सिलेंडर इंजन से आती है, जो लगभग 200 अश्वशक्ति की ताकत और 114.9 न्यूटन मीटर का अधिकतम घूर्णन बल उत्पन्न करता है। छह-गति वाले गियरबाक्स के साथ, इसमें द्विदिश त्वरित गियर परिवर्तक भी मानक रूप से मिलता है।

आधुनिक तकनीक से लैस यह मोटरसाइकिल रंगीन डिजिटल प्रदर्शन पटल, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, विभिन्न राइडिंग मोड, दोहरे चैनल वाला एंटी-लाक ब्रेकिंग तंत्र, गति नियंत्रण प्रणाली और कर्षण नियंत्रण जैसी उन्नत सुविधाओं से युक्त है। सुरक्षा और संतुलन के लिए इसमें उन्नत शोवा सस्पेंशन, इलेक्ट्रानिक स्टीयरिंग डैम्पर और प्रभावी डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस छूट से प्रीमियम मोटरसाइकिल बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी तेज होगी।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की कीमतें बढेगी अगले महीने से

नई दिल्ली। स्वदेशी कार निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि उसके सभी यात्री वाहनों की कीमतें 1 जुलाई 2026 से बढ़ जाएंगी। कंपनी के अनुसार, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े खर्च और महंगाई के दबाव के कारण उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हुई है। इसी बढ़ती लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए कंपनी ने यह निर्णय लिया है। इस वृद्धि का असर पेट्रोल, डीजल और विद्युत चालित सभी प्रकार के माडलों पर पड़ेगा। टाटा मोटर्स का कहना है कि वे लागत का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक दबाव को देखते हुए कीमत में संशोधन करना आवश्यक हो गया था। गौरतलब है कि यह इस वर्ष टाटा मोटर्स द्वारा की गई दूसरी मूल्य वृद्धि है, इससे पहले अप्रैल महीने में भी कंपनी ने कीमतों में संशोधन किया था। यह कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वाहन उद्योग अभी भी बढ़ती उत्पादन लागत की चुनौतियों से जूझ रहा है। टाटा मोटर्स अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जिसने कीमतें बढ़ाई हों। देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी भी हाल ही में अपने वाहनों की कीमतों में अधिकतम तीस हजार रुपये तक की बढ़ोतरी कर चुकी है, जो जून के मध्य से बुक किए जाने वाले वाहनों पर लागू हुई है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में 2,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है।

भाव में आई तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मजबूती आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का जोर

नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता होने की खबर की वजह से ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी और ईरान के बीच समझौता होने के बाद बने उत्साह के माहौल में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 468.77 अंक यानी 0.92 प्रतिशत बढ़ कर 51,671.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 122.83 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,554.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 795.10 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,683.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,699 के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,430.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,384.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 258.71 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,894.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 299.67 अंक यानी 1.22 प्रतिशत टूट कर 24,543 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत फिसल कर 1,589.86 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 23,933 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 4,098.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 247.31 अंक यानी 3.95 प्रतिशत उछल कर 6,254.97 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 181.20 अंक यानी 2.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,727.18 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 467.50 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69,785 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 302.44 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,699.43 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,104.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 : भारत ने जापान को 2–1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

नार्थ हार्बर नेशनल हाकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल दागे, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल एई हिरामित्सु ने किया।

यह मुकाबला भारतीय मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मुकाबला खेला।

पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी और मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित रहा।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई। 33वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर शानदार रणनीति के तहत नवनीत कौर के शाट को निक्की प्रधान ने सही दिशा दी और कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1–0 से आगे कर दिया।

हालांकि जापान ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर हिरामित्सु ने गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया।

निर्णायक चौथे क्वार्टर में भारत को जीत दिलाने वाला गोल 49वें मिनट में आया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया, जिस पर लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अमेरिका और जापान पर जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया।

अब भारतीय टीम अपना अंतिम पूल मुकाबला 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ खेलेगी, जबकि जापान और अमेरिका दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत ए टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम (संशोधित) तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान),प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल राय, अशोक शर्मा।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का–मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के जरिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटरों ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था।

फीफा विश्व कप में स्वीडन से 5-1 की हार के बाद ट्यूनीशिया ने कोच बदला, एर्वे रेनार्ड को सौंपी कमान

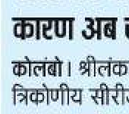

लास एंजिल्स। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ ने फीफा विश्व कप में स्वीडन के खिलाफ 5–1 की करारी हार के बाद मुख्य कोच सबरी लामूशी को पद से हटा दिया है। उनकी जगह फ्रांस के अनुभवी कोच एर्वे रेनार्ड को राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फैसले की आधिकारिक घोषणा सोमवार को ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय प्रसारण माध्यम के जरिए की गई। ट्यूनीशिया फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष मोएज नस्सारी ने बताया कि एर्वे रेनार्ड के साथ आधिकारिक समझौता हो गया है और वह वर्ष 2026 विश्व कप के अंत तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। रेनार्ड अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में अपने अनुभव और बड़े टूर्नामेंटों में शानदार रणनीति के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2022 के विश्व कप में सऊदी अरब को प्रशिक्षित करते हुए उस समय की सबसे बड़ी उलटफेर वाली जीत दिलाई थी, जब उनकी टीम ने बाद में विश्व विजेता बनी अर्जेंटीना को हराया था। इसके बाद वह फ्रांस की महिला फुटबाल टीम के कोच भी रहे। पूर्व फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सबरी लामूशी ने इसी वर्ष जनवरी में ट्यूनीशिया टीम की कमान संभाली थी, लेकिन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद उनका कार्यकाल जल्द समाप्त हो गया।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रा

लास एंजिल्स

फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबाल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा। इसमें एक ही दिन में चार मैच ड्रा पर समाप्त हुए। यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबाल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा। 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्रा का सिलसिला आधुनिक फुटबाल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई। अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल–रहित ड्रा (0–0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया। स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया। एमम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया। सिएटल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1–1 से ड्रा पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक–एक अंक से संतोष करना पड़ा।

मियामी में खेले गए तीसरे मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जहाँ उरुग्वे को सऊदी अरब के खिलाफ 1–1 से ड्रा से संतोष करना पड़ा। सऊदी अरब ने पहले गोल कर बढ़त बना ली थी, लेकिन मैक्सिमिलियानो अरुजो ने 80वें मिनट में महत्वपूर्ण बराबरी का गोल दागकर उरुग्वे को हार से बचाया। इस ड्रा के साथ, ग्रुप एच में शामिल सभी टीमें – स्पेन, केप वर्डे, उरुग्वे और सऊदी अरब – अब एक–एक पाइंट पर बराबरी पर आ गई हैं, जिससे इस ग्रुप में आगे के मुकाबले और भी दिलचस्प हो गए हैं।

लास एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए दिन के आखिरी और सबसे रोमांचक मैच में, ईरान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 2–2 से ड्रा खेला। दोनों टीमों ने मैच में बढ़त ली और गंवाई, जिससे दर्शकों को एक यादगार मुकाबला देखने को मिला, जिसमें अंत तक रोमांच बना रहा। ईरान और न्यूजीलैंड ने भी अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत ड्रा के साथ की।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त

लास एंजिल्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–जी के पहले मुकाबले में मंगलवार को ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला 2–2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पूरे मैच में दोनों टीमों ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया और अंतिम क्षण तक जीत के लिए संघर्ष किया। न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए सातवें मिनट में ए. जस्ट के गोल की मदद से बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बाद ईरान ने खेल में वापसी की और 32वें मिनट में आर. रेजाइयान ने गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी।दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने फिर दबाव बनाया और 54वें मिनट में ए. जस्ट ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2–1 से आगे कर दिया। हालांकि ईरान ने हार नहीं मानी और 64वें मिनट में एम. मोहैबी ने गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस परिणाम के बाद ग्रुप–जी पूरी तरह खुला हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती दौर के बाद ईरान, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र सभी समान अंकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा आलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल आलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं।

साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार–बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए।

रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा आलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा।

रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्राफियां जीती हैं और नाकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं। विश्व कप में भारत की कप्तानी करते समय शुभमन के लिए रोहित और विराट का साथ होना बहुत बड़ा फायदा होगा। यह दिखाता है कि भारत अपने युवा नेतृत्व को स्थापित करते हुए भी अनुभवी खिलाड़ियों के महत्व को बनाए रखना चाहता है।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी। फीफा विश्वकप फुटबाल में इस बार आस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वाले खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता–पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार आस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबाल खेलना शुरु किया और धीरे–धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबाल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से आस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हाकी इंडिया ने दी बधाई

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम की मिडफील्ड खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूज़ीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हाकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया।

उन्होंने आगे कहा, हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है। मैं आगे भी टीम की सफलता में योगदान देना चाहती हूं और कई और यादगार पल बनाना चाहती हूं।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने ज्योति को बधाई देते हुए कहा, 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है। वह भारतीय महिला हाकी टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं और हर अवसर पर देश के लिए समर्पण के साथ खेली हैं। हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह उपलब्धि दर्शाती है कि ज्योति ने लंबे समय तक लगातार मेहनत और धैर्य के साथ खेल को आगे बढ़ाया है। उनकी यात्रा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखते हैं।

होल्कर स्टेडियम में जबलपुर के शेरों ने भोपाल के तेंदुओं को पछाड़ा

अर्पित और वेदांत के आगे अंश का अर्द्धशतक बेकार; पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन ठोक जबलपुर रायल लायंस ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर हासिल किया 224 रनों का लक्ष्य, भोपाल 5 विकेट से परास्त

इंदौर

होल्कर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ (59 रन, 23 गेंद) और वेदांत अवस्थी (60 रन, 34 गेंद) की आतिशी पारियों के दम पर जबलपुर रायल लायंस ने सोमवार को भोपाल लेपर्ड्स को 5 विकेट से हरा दिया। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग टी–20 सिंधिया कप के 29वें मुकाबले में भोपाल लेपर्ड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जबलपुर रायल लायंस ने पावरप्ले में रिकार्ड 100 रन कूटते हुए इस बड़े लक्ष्य को 19.1 ओवरों में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भोपाल के लिए अंश बागड़िया (51) की अर्द्धशतकीय पारी बेकार गई, जबकि जबलपुर के अर्पित गौड़ को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पावरप्ले में बरपा अर्पित का तूफान - 224 रनों के एवरेस्ट जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत विस्फोटक रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ ने भोपाल के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 23 गेंदों में 59 रन (7 छक्के व 3 चौके) ठोक दिए। अर्पित के इस रौद्र रूप की बदौलत जबलपुर ने शुरुआती 6 ओवरों के अनिवार्य पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 100 रन बोर्ड पर टांग दिए। इस बेखौफ शुरुआत ने भोपाल को मैच से बाहर कर दिया। अर्पित को दूसरे छोर से अजय रोहेरा (31 रन, 17 गेंद) का शानदार साथ मिला।

सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद वेदांत अवस्थी ने मोर्चा संभाला। वेदांत ने स्पिनरों को आड़े हाथों लेते हुए 34 गेंदों में 60 रनों (5 छक्के व 3 चौके) की मैच जिताऊ पारी खेली। अंतिम ओवरों में कप्तान राहुल बाथम ने 13 गेंदों में नाबाद 19 रन और पुनीत दांते ने नाबाद 7 रन बनाकर 20वें ओवर की पहली गेंद (वाइड) पर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। भोपाल की ओर से स्पिनर युवराज नेमा ने 4 ओवर में 33 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट लिए।

अंश और अनिकेत का पराक्रम – इससे पहले, टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भोपाल लेपर्ड्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट पर 223 रनों का मजबूत स्कोर बनाया था। राहुल चंद्रोल (28) और तनिष्क यादव (26) ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। इसके बाद मध्यक्रम में अंश बागड़िया ने 34 गेंदों में 51 रनों की जिम्मेदारी भरी अर्द्धशतकीय पारी खेली। कप्तान अनिकेत वर्मा ने महज 20 गेंदों में 42 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अंतिम ओवरों में कमल त्रिपाठी ने 6 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाकर स्कोर को 223 तक पहुँचाया। जबलपुर के लिए गेंदबाज पुनीत दांते और पंकज पटेल ने 2–2 विकेट चटकाए।

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बींसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरदुथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोंटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

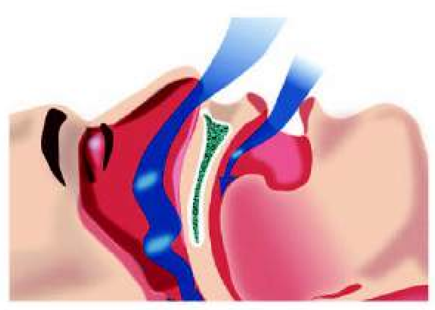

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेश्ठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**